राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 21 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-286 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑपरेशन सिंदूर के बाद | पाकिस्तानी मंत्री पहली बार भारत पहुंचे

आज शंघाई सहयोग संगठन फोरम में लेंगे हिस्सा; पीएम मोदी ने किया उद्घाटन, 25 देशों को न्योता



नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पाकिस्तान का कोई मंत्री शुक्रवार को भारत पहुंचे। पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री मुसादिक मसूद मलिक दिल्ली में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम में शामिल हुए। वे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार शाम करीब 5:30 बजे दिल्ली के पुराना किला में फोरम का उद्घाटन किया। इसके बाद कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम 22 नवंबर तक चलेगा। संस्कृति मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर इसका आयोजन कर रहे हैं।

भारत ने इस फोरम के लिए 25 देशों को न्योता भेजा था, जिनमें से 15 ने भागीदारी की पुष्टि की है। इसका उद्देश्य सदस्य देशों की साझा सभ्यता और संस्कृति को सामने लाना और उनके बीच आपसी बातचीत बढ़ाना है।

पाकिस्तान ने संस्कृति मंत्री की जगह जलवायु मंत्री को भेजा- भारत ने पाकिस्तान के राष्ट्रीय विरासत और संस्कृति मंत्री औरंगजेब खान खिची को फोरम में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। हालांकि, पाकिस्तान ने जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण समन्वय मंत्री डॉ. मुसादिक मसूद मलिक को प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए नामित किया।

1 रुपये किराये पर जमीन, टैक्स में भी छूट

गुजरात की नई वेस्ट-टू-एनर्जी नीति में निवेशकों को राहत का प्रस्ताव



गांधीनगर (एजेंसी)। गुजरात सरकार नगरपालिका के ठोस कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजनाओं में निजी निवेश आकर्षित करने के लिए नई वेस्ट-टू-एनर्जी नीति-2026 तैयार कर रही है। इस प्रस्तावित नीति में कंपनियों को कई वित्तीय और राजकोषीय प्रोत्साहन देने की योजना है। इसके तहत परियोजना डेवलपर्स को 30 साल तक मात्र 1 रुपये सालाना के किराये पर जमीन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। साथ ही, परियोजना स्थल पर नगरपालिका का ठोस कचरा भी मुफ्त दिया जाएगा।

कचरे से बिजली बनाने वाली परियोजनाओं को मिलेगा बढ़ावा- नई नीति का उद्देश्य लैंडफिल पर निर्भरता कम करना और कचरे को खुले में फेंकने या जलाने की समस्या पर रोक लगाना है।

राहुल गांधी को सुनकर खुशी हुई

कांग्रेस नेता के बयान पर गदगद हुए पूर्व इजरायली राजनयिक, बताया बेहद खास

नईदिल्ली/तेल अवीव(एजेंसी)। राहुल गांधी के इजरायल-भारत के संबंधों पर दिए बयान की डैनियल कार्मोन ने तारीफ की है। भारत में इजरायल के पूर्व राजदूत कार्मोन ने कहा है कि गांधी ने सार्वजनिक मंच से दोनों देशों के बेहतर रिश्ते पर जो बातें कही हैं, वह उनके मुल्क के लिए काफी अहमियत रखती हैं। राहुल गांधी के इजरायल-भारत की साझेदारी को मान्यता देने पर यकीनन मुझे खुशी हुई है। राहुल ने भारत-



इजरायल के अच्छे संबंधों पर जोर दिया है, जिसके बाद कार्मोन का ये बयान आया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में अमेरिका के शिकागो में कहा है कि भारत को इजरायल के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने चाहिए। राहुल ने गाजा में इजरायली हमलों को गलत कहा लेकिन ये भी माना कि इजरायल से रिश्ते वक्त की जरूरत हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति देश के हितों को देखते हुए तय की जानी चाहिए।

डैनियल कार्मोन ने क्या कहा है

डैनियल कार्मोन ने एक्स पर राहुल गांधी का वीडियो शेयर किया है। इसमें वह कह रहे हैं, मैं इजरायल के साथ मजबूत संबंधों का समर्थक हूं। हमारे रणनीतिक हित हैं, जिनमें सेना के लिए हथियार खरीद भी शामिल है। मैं 7 अक्टूबर के हमलों और गाजा में इजरायल की कार्रवाई, दोनों की निंदा करता हूं। एक गलत काम को दूसरे गलत से सही नहीं होता है। भारत को उन बातों के पक्ष में खड़ा होना चाहिए, जिनमें वह विश्वास रखता है। शिकागो यूनिवर्सिटी में अपनी बातचीत में राहुल गांधी ने इजरायल के साथ भारत के रिश्तों का खुलकर समर्थन किया है।

योगी आदित्यनाथ की मां का निधन

91 साल की थीं, पौड़ी गढ़वाल में अपने घर में ली अंतिम सांस; आज ऋषिकेश में अंतिम संस्कार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 91 साल की थीं। सावित्री देवी लंबे समय से बीमार चल रही थीं। पौड़ी गढ़वाल ने पंचूर गांव में सुबह 11 बजे अंतिम सांस ली। उस वक्त घर में योगी के भाई महेंद्र और उनका परिवार मौजूद था। योगी आदित्यनाथ करीब 4 बजे तक पंचूर गांव पहुंच सकते हैं। एसएसपी सर्वेश पवार ने बताया कि आज ऋषिकेश के संपूर्णानंद घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया जा सकता है। जिस वक्त सावित्री देवी का विधन हुआ उस वक्त योगी आदित्यनाथ गोरखपुर में सशक्त युवा, समृद्ध उत्तर प्रदेश कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

बगैर ठोस वजह पत्नी अलग, गुजारा भत्ते की हकदार नहीं

हिमाचल हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट का फैसला बरकरार रखा; कहा- बेटे का खर्च उठाना होगा



शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक मामले में साफ किया है कि पत्नी यदि बिना पर्याप्त और उचित कारण के पति से अलग रह रही है, तो वह गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं है।

जस्टिस अजय मोहन गोयल और जस्टिस योगेश जसवाल की बेंच ने पत्नी की याचिका खारिज करते हुए बिलासपुर फैमिली कोर्ट का फैसला बरकरार रखा।

हालांकि, नाबालिग बेटे को हर महीने 5 हजार रुपए भरण-पोषण देने का आदेश जारी रहेगा। पति को उसकी पढ़ाई, इलाज और शादी का खर्च भी उठाना होगा। हाईकोर्ट ने यह फैसला 17 नवंबर 2026 को सुनाया।

2021 में शुरू हुआ था भरण-पोषण का मामला- पुष्पा देवी और सुनील कुमार के बीच भरण-पोषण को लेकर कानूनी विवाद 2021 में शुरू हुआ था। बिलासपुर फैमिली कोर्ट में यह मामला केस नंबर 14/04/2021 के तहत दर्ज हुआ। फैमिली कोर्ट ने 4 दिसंबर 2025 को पत्नी को गुजारा भत्ता देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पत्नी ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी।

एमए-बीएड शिक्षित पत्नी ने गुस्से में मारपीट की बात मानी- मामले की सुनवाई के दौरान सामने आया कि पत्नी एमए और बीएड शिक्षित है। रिकॉर्ड के अनुसार, उसने अपनी गवाही में स्वीकार किया था कि उसे गुस्सा आता है और गुस्से में वह पति के साथ मारपीट करती थी। पति ने भी पत्नी के आक्रामक व्यवहार और मारपीट को लेकर शिकायतें दर्ज करवाई थीं। दोनों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए पंचायत स्तर पर समझौते भी हुए थे। हालांकि, पत्नी पति से अलग रहने की कोई पर्याप्त वजह अदालत में साबित नहीं कर पाई।

पत्नी ने कहा- कमाई का कोई साधन नहीं

पत्नी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि उसके पास आय का कोई साधन नहीं है, इसलिए उसे पति से भरण-पोषण मिलना चाहिए। उसने पति पर मारपीट और क्रूरता के आरोप भी लगाए।

वहीं, पति सुनील कुमार ने कहा कि पत्नी अपनी मर्जी से बिना किसी उचित कारण के अलग रह रही है। उसने ऐसी कोई परिस्थिति पैदा नहीं की, जिसके कारण पत्नी को घर छोड़ना पड़े। पति आईटीआई में क्लर्क है और उसकी मासिक सैलरी 46 हजार रुपए बताई गई है।

चक्रवात अकवान | आंध्र प्रदेश-ओडिशा के तट से टकराया

90 किमी की रफ्तार से हवाएं चल रहीं; ओडिशा-आंध्र में भारी बारिश, 4 लाख लोग शिफ्ट



भुवनेश्वर/विशाखापट्टनम (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान अकवान शुक्रवार सुबह करीब 7.30 से 8.30 बजे के बीच आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच गोपालपुर तट से टकराया। इस दौरान हवा की रफ्तार 70 से 90 किमी चल रही। तूफान का तट से टकराना अभी भी जारी है।

तूफान के असर से ओडिशा, आंध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में तेज बारिश हो रही है। ओडिशा में करीब 4 लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। इनके लिए 9,341 राहत शिविर बनाए गए हैं। साथ ही 423 रेस्क्यू टीमें तैनात की गई हैं।

तूफान के चलते पूर्वी रेलवे ने 41 और दक्षिण पूर्व रेलवे ने 28 एक्सप्रेस ट्रेनें रद्द कर दी हैं। वहीं, 29 ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है।

तूफान का असर 10 राज्यों में पड़ सकता है। तमिलनाडु, पुडुचेरी के अलावा मध्य प्रदेश और झारखंड में भी मौसम बदल सकता है और बारिश हो सकती है।

ओडिशा : भारी बारिश के बीच बुजुर्ग का रेस्क्यू किया गया

ओडिशा के गंजाम जिले में तारासिंग पुलिस थाने की टीम ने भारी बारिश के बीच घने जंगल और दुर्गम रास्तों से एक बुजुर्ग व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकाला।

प. बंगाल : गंगासागर में पर्यटकों को समुद्र तट से हटाया गया- चक्रवात अकवान के असर से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है। तटीय इलाकों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। खराब मौसम को देखते हुए गंगासागर में प्रशासन लगातार घोषणाएं कर रहा है और तीर्थयात्रियों व पर्यटकों से समुद्र तट खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील कर रहा है।

बोत्सवाना से आई मादा चीता केओएमजी 3 ने दी गुड न्यूज

पहली बार चार शावकों को दिया जन्म, अब चीतों की संख्या हुई 62



भोपाल/श्योपुर (एजेंसी)। बोत्सवाना से आई मादा चीता ने भी भारत में गुड न्यूज दी है। अभी नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाई गईं मादा चीता ही आबादी बढ़ा रही थीं। अब केओएमजी 3 ने गुड न्यूज दी है। उसने चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है। इसके साथ ही भारत में चीतों की संख्या 62 हो गई है।

पहली बार बोत्सवाना की मादा चीता बनी मां- मोहन यादव ने कहा कि यह मध्यप्रदेश और पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। बोत्सवाना से आई किसी मादा चीता द्वारा भारत में पहली बार शावकों को जन्म देना प्रोजेक्ट चीता की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह भारत में चीतों की व्यवहार्य आबादी को पुर्नस्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और उत्साहजनक कदम है। उन्होंने कहा कि मादा चीता केओएमजी 3 ने चार महीने से अधिक समय जंगल में बिताने के बाद प्राकृतिक परिस्थितियों में चार स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है।

2022 में हुई थी चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत- इसके साथ ही सीएम ने कहा कि साल 2022 में चीता पुनर्स्थापना कार्यक्रम प्रारंभ होने के बाद जंगल में शावकों के जन्म की यह दूसरी दर्ज घटना है। चार नए शावकों के जन्म के साथ ही भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर 62 हो गई है।

सीएम मोहन यादव ने दी बधाई

सीएम मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में बोत्सवाना से लाई गई ढाई वर्ष की मादा चीता केओएमजी 3 द्वारा चार स्वस्थ शावकों को जन्म देने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। साथ ही प्रोजेक्ट चीता से जुड़े सभी अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों एवं वनकर्मियों को हार्दिक बधाई दी है।

प्रोजेक्ट चीता से जुड़े कर्मियों की सराहना की

मोहन यादव ने इस उपलब्धि के लिए प्रोजेक्ट चीता के प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों, वन्यजीव विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों, अग्रिम पंक्ति के वनकर्मियों और प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से योगदान देने वाले सभी लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सभी के समर्पण, अथक परिश्रम और प्रतिबद्धता से यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल हुई है। मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन के क्षेत्र में निरंतर नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है।

राजस्थान में 6 डिग्री, मप्र में पारा 7 डिग्री पहुंचा

नई दिल्ली/लखनऊ/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में लगातार बर्फबारी जारी है। इसके असर से मैदानी राज्यों में भी कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है।



राजस्थान के फतेहपुर में पारा 5.7 डिग्री दर्ज किया गया। एमपी में कटनी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 7 डिग्री तक पहुंच गया। राजधानी दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7 डिग्री रहा। ठंड के साथ ही कोहरे की भी शुरुआत हो गई है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में सुबह घना कोहरा छाया है।

जयराम रमेश बोले-

पीएम मोदी को एहसास हो गया है कि वे जल्द आउटगोइंग पीएम होंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी का उद्योगपतियों पर हमला दिखाता है कि वे परेशान और निराश हैं। उन्हें जल्द ही प्रधानमंत्री पद छोड़ने का एहसास हो गया है, इसलिए वे अपनी सरकार की नीतियों की कमियों का ठीकरा दूसरों पर फोड़ रहे हैं। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के 12 साल में महंगाई पर काबू नहीं पाया गया, रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं बने और निजी निवेश की रफ्तार धीमी रही। उन्होंने यह भी दावा किया कि सरकार की नीतियों से छोटे कारोबार प्रभावित हुए हैं और आर्थिक ताकत कुछ बड़े उद्योगपतियों के हाथों में सिमट गई है। ये सभी कांग्रेस के आरोप हैं। प्रधानमंत्री ने एफआईसीसीआई कार्यक्रम में उद्योगपतियों को रोजगार और कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाने की सलाह दी थी।



जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थलों की लिस्ट से हटाने पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट बोला- दावों की पुष्टि के लिए हलफनामा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने से जुड़ी याचिका पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिकाकर्ता की लिखित दलीलों में शामिल तथ्यों पर सवाल उठाए। इस पर कोर्ट ने कहा कि जो भी दावे हैं, उनकी पुष्टि हलफनामे के जरिए होनी चाहिए, ताकि कोई व्यक्ति उनकी जिम्मेदारी ले सके। वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने कहा कि दलीलों में विवादित तथ्यों के बजाय कानूनी प्रावधानों और तर्कों का जिक्र है। हालांकि, कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हलफनामे के बिना तथ्यात्मक दावों को स्वीकार नहीं किया जा सकता।



चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति कानून पर सुप्रीम कोर्ट का तत्काल सुनवाई से इनकार- मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। याचिका में 23 सितंबर के खंडित फैसले को वापस लेने की मांग की गई थी। इस मामले को पांच जजों की संविधान पीठ के पास भेजा गया था।

सोना एक साल में सबसे सस्ता

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोना-चांदी में लगातार गिरावट जारी है। आईबीजेए के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 5,947 रुपए सस्ता होकर 1.23 लाख रुपए पर आ गया। इस गिरावट के बाद सोना करीब एक साल पुराने स्तर पर पहुंच गया है। पिछले साल 24 नवंबर को 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,23,308 रुपए था। इसके बाद सालभर तक इसके भाव ज्यादा बने रहे। इधर, चांदी के भाव में भी शुक्रवार को 9,789 रुपए प्रति किलो की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद चांदी 1.50 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती और ऊंचे स्तरों पर मुनाफा वसूली के चलते सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुद्धू बक्से से लाइव दुनिया तक : एक स्क्रीन में सिमटी दुनिया

टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं।

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

टीवी की चमक में ज्ञान भी, भ्रम भी

(विश्व टेलीविजन दिवस (21 नवम्बर) पर विशेष)

वर्ष 1925 में टेलीविजन का आविष्कार स्कॉटिश इंजीनियर तथा अन्वेषक जॉन लॉगी बेयर्ड द्वारा किया गया था। वे दुनिया के प्रथम वैज्ञानिक थे, जिन्होंने 26 जनवरी 1926 को ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित रॉयल इंस्टीट्यूशन से लंदन के पश्चिम में स्थित 'सोहो' नामक स्थान पर टेलीविजन संदेशों का सफल प्रसारण करके दिखाया था। उनके द्वारा बनाए गए मैकेनिकल टेलीविजन के बाद 1927 में फिलो फॉर्न्सवर्थ द्वारा इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार किया गया, जिसका 3 सितम्बर 1928 को उनके द्वारा सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। कुछ असफलताओं के बाद सदी के महान् आविष्कार टेलीविजन को पूरी तरह इलैक्ट्रॉनिक रूप देने में सफलता मिली वर्ष 1934 में। बिजली से चलने वाले उस अद्भुत इलैक्ट्रॉनिक उपकरण की ही बदौलत आगामी वर्षों में कई आधुनिक टीवी स्टेशन खोले दिए? जिसके बाद लोग बड़ी संख्या में टीवी खरीदने लगे और टेलीविजन धीरे-धीरे मनोरंजन एवं समाचार का महत्वपूर्ण माध्यम बनता गया।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने अपने आविष्कार के करीब 32 साल बाद भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई। दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।



हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

(लेखक 36 वर्षों से पत्रकारिता में सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार और 'सागर से अंतरिक्ष तक: भारत की रक्षा क्रांति' सहित कई पुस्तकों के लेखक हैं)

संपादकीय

सोना कितना सोना

भारत में सदियों से सोने का सम्मोहन रहा है। हमारे लिये यह सोना महज कीमती धातु ही नहीं है बल्कि हम सबके संस्कारों, रीति-रिवाजों और धार्मिक अनुष्ठानों का हिस्सा रहा है। मौजूदा दौर में यह लाखों परिवारों के लिये एक निवेश और वित्तीय सुरक्षा का जरिया भी है। माना जाता है कि सोना संकट का साथी है। इसलिये, सोने के आभूषणों की शुद्धता के मामले में कोई समझौता स्वीकार्य नहीं हो सकता है। लेकिन नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों ने 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' यानी बीआईएस की निगरानी प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। निस्संदेह, यह एक ऐसी चेतावनी है, जिसे नियामक भी अनदेखी नहीं कर सकते। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के ऑडिट के शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में अस्सी फीसदी से अधिकृत पंजीकृत जौहरियों की जांच न कर पाना विडंबना ही है। इसके साथ ही हॉलमार्किंग केंद्रों के अनिवार्य ऑडिट में 43.7 फीसदी की कमी होना नियामक संस्था के अपने कर्तव्यों की पालना में गंभीर लापरवाही को ही दर्शाता है। यह बात भी बेहद चिंताजनक है कि प्रवर्तन कार्रवाई, कानूनी मुकदमों और दंडात्मक कार्रवाई के कोई व्यवस्थित रिकॉर्ड नहीं रखे गये हैं। जो नियामक संस्था नियमों के पालन की ठीक से निगरानी नहीं कर सकती अथवा नियमों के उल्लंघन पर नजर नहीं रख सकती, निश्चित रूप से वह पूरी निगरानी प्रणाली की विश्वसनीयता को ही कमजोर कर देती है। दूसरे शब्दों में कहें तो वह उपभोक्ताओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पायी है। वहीं दूसरी ओर रेनियम की कथित मिलावट की जांच, जो संभवत- नियमित शुद्धता परीक्षाओं की जांच में पकड़ में नहीं आ पायी थी, इस बात को ही उजागर कर देती है कि सही मायने में केवल मौजूदा परीक्षण विधियों पर निर्भर रहने की अपनी सीमाएं हैं। जो जांच के तौर-तरीकों में बदलाव की जरूरत को बताता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने को लेकर ग्राहकों के विश्वास को हर कीमत पर बनाये रखना लाजिमी है। जांच परीक्षण में सोने की शुद्धता स्पष्ट न होना हालांकि एक अलग मामला है, लेकिन इससे यह अंतिम निष्कर्ष भी नहीं निकाला जा सकता है कि सोने में बड़े पैमाने पर मिलावट हो रही है। लेकिन इतना जरूरी है कि सोने को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतारने के लिये जांच के लिये अधिक उन्नत परीक्षण किया जाना चाहिए। इसके साथ ही गुणवत्ता के मानकों के निर्धारण के लिये स्वतंत्र सत्यापन की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है। देश में नियामक संस्था के लिये मैनपॉवर की कमी नहीं है। वहीं दूसरी ओर भौगोलिक बाधाओं को अपर्याप्त निगरानी के लिये स्थायी बहाना नहीं बनाया जा सकता है। 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को अपनी निरीक्षण क्षमता को निश्चित रूप से मजबूत व पारदर्शी करना चाहिए। यदि उन्नत टेस्टिंग वाली तकनीक को अपनाया जाता है तो लोगों का व्यवस्था पर भरोसा कायम होगा। सही मायने में 'ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स' को जोखिम-आधारित निगरानी प्रणाली लागू करनी चाहिए। साथ ही सख्त जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है। इसके अलावा थर्ड-पार्टी ऑडिट और विकेंद्रीकृत निगरानी व्यवस्था से भी कवरेज में सुधार किया जा सकता है। सही मायने में उपभोक्ताओं को 'बीआईएस केयर' ऐप के जरिये बीआईएस हॉलमार्क और छह अंकों वाले हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन यानी एचयूआईडी कोड की जांच जरूर करनी चाहिए। यह भी कि उपभोक्ता हमेशा प्रतिष्ठित ज्वैलर्स से ही सोने के आभूषण खरीदें।

क्वाडः सहयोग का मंच या शक्ति-संतुलन की नई धुरी?

(लेखिका- -डॉ. प्रियंका 'सौरभ')

हिंद-प्रशांत क्षेत्र आज विश्व राजनीति का ऐसा केंद्र बन चुका है, जहाँ समुद्री सुरक्षा, व्यापारिक हित, सामरिक प्रतिस्पर्धा और वैश्विक शक्ति-संतुलन एक-दूसरे से जुड़े हैं। चीन की बढ़ती सैन्य सक्रियता, समुद्री विवाद, व्यापारिक निर्भरता और महत्वपूर्ण तकनीकों पर नियंत्रण की होड़ ने इस क्षेत्र को रणनीतिक दृष्टि से संवेदनशील बना दिया है। ऐसे समय में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का चतुर्पक्षीय सहयोग समूह 'क्वाड' भारत की हिंद-प्रशांत रणनीति का महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इसका महत्व केवल चार देशों के आपसी सहयोग तक सीमित नहीं, बल्कि एक ऐसी क्षेत्रीय व्यवस्था के निर्माण से जुड़ा है, जिसमें स्वतंत्रता, नियमों का सम्मान, आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक विकास को प्राथमिकता मिले।

भारत की हिंद-प्रशांत नीति का उद्देश्य किसी सैन्य गुट का हिस्सा बनकर शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि क्षेत्र में संतुलन, स्थिरता और सहयोग बनाए रखना है। क्वाड भारत को अपनी समुद्री, आर्थिक और तकनीकी क्षमताओं को मजबूत करने का अवसर देता है।

हिंद महासागर भारत की आर्थिक जीवनरेखा है। देश का व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संपर्क समुद्री मार्गों पर निर्भर हैं। मलक्का जलडमरूमध्य, होर्मुज जलडमरूमध्य और हिंद महासागर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा भारत के आर्थिक हितों से सीधे जुड़ी है। इन क्षेत्रों में किसी भी तनाव, अवरोध या समुद्री असुरक्षा का प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। क्वाड के माध्यम से समुद्री निगरानी, सूचनाओं के आदान-प्रदान, समुद्री डकैती की रोकथाम और सुरक्षित नौवहन में सहयोग बढ़ाया जा सकता है।

क्वाड का दूसरा महत्त्वपूर्ण पक्ष क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन है। दक्षिण चीन सागर में विवाद, समुद्री सीमाओं को लेकर तनाव और एकतरफा गतिविधियाँ छोटे देशों की सुरक्षा संबंधी चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारत ऐसी व्यवस्था का समर्थक है, जिसमें सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार अपने अधिकारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता मिले। क्वाड इस दृष्टिकोण को सामूहिक स्वर प्रदान करता है। इसके माध्यम से भारत क्षेत्रीय शांति, समुद्री स्वतंत्रता और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है। यह चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन बनाए रखने का अवसर भी है, लेकिन भारत की नीति टकराव के बजाय संयम और कूटनीति पर आधारित रहनी चाहिए।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी क्वाड की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वैश्विक संकटों, युद्धों और महामारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुछ सीमित देशों पर अत्यधिक निर्भर आपूर्ति व्यवस्था अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकती है। औषधियों, अर्धचालकों, दुर्लभ खनिजों, ऊर्जा और तकनीकी उपकरणों की आपूर्ति में विविधता लाना अब आर्थिक विवशता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की आवश्यकता बन गया है। क्वाड के सहयोग से भारत को निवेश, विनिर्माण, नई तकनीकों और वैश्विक व्यापार में अपनी भूमिका बढ़ाने का अवसर मिल सकता है। इससे भारत को केवल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि उत्पादन और नवाचार के विश्वसनीय केंद्र के रूप में विकसित होने में सहायता मिलेगी।

तकनीकी सहयोग क्वाड की भविष्यगत शक्ति का प्रमुख आधार है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, दूरसंचार, स्वच्छ ऊर्जा और डिजिटल ढाँचे जैसे क्षेत्रों में साझा प्रयास भारत की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। आज साइबर हमले, संचार व्यवस्था में व्यवधान और समुद्र के भीतर बिछी संचार केबलों की सुरक्षा भी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा हैं। यदि भारत इन क्षेत्रों में सहयोग के साथ अपनी अनुसंधान क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और घरेलू उद्योग को विकसित करता है, तो यह साझेदारी उसके दीर्घकालीन हितों के लिए लाभकारी होगी।

क्वाड का मानवीय पक्ष भी कम महत्त्वपूर्ण नहीं है। वर्ष 2004 की हिंद महासागर सुनामी के बाद आपदा राहत और मानवीय सहायता के क्षेत्र में सहयोग की भावना ने इस समूह की प्रारंभिक पृष्ठभूमि तैयार की थी। आज जलवायु परिवर्तन, चक्रवात, समुद्री दुर्घटनाएँ, महामारी और प्राकृतिक आपदाएँ पूरे क्षेत्र के सामने साझा चुनौतियाँ हैं। राहत सामग्री, चिकित्सा सहायता, बचाव अभियान और आपदा के समय त्वरित समन्वय में क्वाड देशों का सहयोग अनेक जीवन बचा सकता है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और मानवीय सहायता क्षमता के कारण इस क्षेत्र में प्रभावी भूमिका निभा सकता है। साथ ही, क्वाड भारत की पूर्व की ओर देखो नीति को मजबूती देकर आसियान देशों के साथ संबंधों को गहरा करने में सहायक है।

फिर भी क्वाड की राह आसान नहीं है। चारों देशों के राष्ट्रीय हित और रणनीतिक प्राथमिकताएँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं। भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति और सामरिक स्वायत्तता को सर्वोच्च महत्त्व देता है। वह किसी एक शक्ति के प्रभाव में अपनी निर्णय क्षमता सीमित नहीं करना चाहता। दूसरी ओर, चीन के प्रति सदस्य देशों के दृष्टिकोण में भी अंतर है। चीन के साथ आर्थिक संबंध, क्षेत्रीय व्यापार और कूटनीतिक आवश्यकताएँ कई देशों को संतुलित व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि क्वाड के भीतर साझा सहमति बनाना और उसे प्रभावी कार्रवाई में बदलना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

एक अन्य चुनौती यह है कि क्वाड कोई औपचारिक सैन्य गठबंधन नहीं है। इसके निर्णय बाध्यकारी नहीं हैं और सहयोग के लिए स्पष्ट कार्यान्वयन व्यवस्था सीमित है। यदि बैठकें, घोषणाएँ और साझा वक्तव्य ठोस परिणामों में नहीं बदलते, तो इसकी विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। इसके अतिरिक्त, चीन की विरोधात्मक प्रतिक्रिया और क्षेत्रीय देशों की संवेदनशीलताएँ क्वाड के विस्तार तथा प्रभाव को सीमित कर सकती हैं। इसलिए भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि क्वाड किसी टकरावकारी समूह की छवि न बनाए, बल्कि क्षेत्रीय देशों के विकास, सुरक्षा और स्वतंत्र निर्णय क्षमता का सम्मान करे।

भारत के लिए आगे का रास्ता स्पष्ट है। क्वाड को समुद्री सुरक्षा, आपदा प्रबंधन, तकनीकी सहयोग, आर्थिक साझेदारी और आपूर्ति व्यवस्था की मजबूती जैसे व्यावहारिक क्षेत्रों में परिणाम देने चाहिए। आसियान की केंद्रीय भूमिका का सम्मान करते हुए छोटे और विकासशील देशों की आवश्यकताओं को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सहयोग का मूल्य केवल शक्ति के प्रदर्शन से नहीं, बल्कि क्षेत्रीय देशों के जीवन में आने वाले सकारात्मक बदलाव से तय होना चाहिए।



कुसंग का फल



प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, ''भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, ''सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है''

विचार मंथन

रोहिंग्या नरसंहार पर आईसीजे का ऐतिहासिक फैसला

(लेखक - डॉ. हिदायत अहमद खान)

अत्याचार दुनियां के किसी भी हिस्से में क्यों न हो, उससे मानवता शर्मसार होती ही है। वर्तमान में यहां बात हम म्यांमार में हुए नरसंहार की कर रहे हैं, जिसे लेकर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने अहम फैसला सुनाया है। दरअसल म्यांमार में रोहिंग्या अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हुए नरसंहार पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का फैसला केवल एक देश के अपराधों पर न्यायिक टिप्पणी नहीं है, बल्कि यह पूरी दुनिया के लिए मानवाधिकारों और अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रति अपनी प्रतिबद्धता साबित करने की चुनौती भी है। हेग स्थित अदालत ने 9-6 के बहुमत से म्यांमार को 2017 में राखाइन प्रांत में रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ नरसंहार का जिम्मेदार ठहराया है। अदालत के इतिहास में यह पहला अवसर है, जब उसने किसी देश को नरसंहार करने का जिम्मेदार पाया है। इस फैसले ने उन लाखों लोगों की पीड़ा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कानूनी मान्यता दी है, जिन्हें अपनी जमीन, घर और पहचान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि म्यांमार की सुरक्षा बलों की कार्रवाई को केवल उग्रवाद के खिलाफ अभियान बताकर उचित नहीं ठहराया जा सकता। सुनवाई के दौरान सामने आए साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने माना कि रोहिंग्या नागरिकों की हत्या, महिलाओं के साथ व्यापक यौन हिंसा, बच्चों पर अत्याचार और गांवों को योजनाबद्ध तरीके से नष्ट करने की घटनाएं एक बड़े उद्देश्य का हिस्सा थीं। अदालत के अनुसार, उपलब्ध साक्ष्यों से यही निष्कर्ष निकलता है कि म्यांमार का इरादा उत्तरी राखाइन में रोहिंग्या आबादी के एक बड़े हिस्से को समाप्त करना था। फैसले में करीब 10 हजार लोगों की हत्या के साक्ष्यों का उल्लेख किया गया है।

इस मामले की शुरुआत नवंबर 2019 में हुई थी, जब अफ्रीकी देश गाम्बिया ने 1948 के संयुक्त राष्ट्र नरसंहार रोकथाम और दंड संबंधी समझौते के तहत म्यांमार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। उसे इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 देशों का समर्थन मिला। जनवरी 2020 में अदालत ने म्यांमार को रोहिंग्या समुदाय की सुरक्षा और नरसंहार से जुड़े साक्ष्यों को सुरक्षित रखने के अंतरिम निर्देश भी दिए गए थे। लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद आया मौजूदा फैसला इस बात का प्रमाण है कि छोटे देश भी अंतर्राष्ट्रीय कानून के सहारे शक्तिशाली देशों को जवाबदेह ठहराने की पहल कर सकते हैं। इस फैसले का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि रोहिंग्या संकट अब केवल म्यांमार का आंतरिक मामला नहीं रह गया है। 2017 की सैन्य कार्रवाई के बाद सात लाख से अधिक रोहिंग्या बांग्लादेश भागने को मजबूर हुए। आज भी बड़ी संख्या में शरणार्थी कॉक्स बाजार के शिविरों में कठिन परिस्थितियों में रह रहे हैं। उनके सामने भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा जैसी गंभीर समस्याएं हैं। बांग्लादेश पर भी इन शरणार्थियों की मेजबानी का आर्थिक और सामाजिक दबाव बना हुआ है। ऐसे में अदालत का सुरक्षित, स्वैच्छिक और सम्मानजनक वापसी का निर्देश महत्वपूर्ण है, लेकिन वापसी तभी संभव होगी जब म्यांमार में उनकी नागरिकता, पहचान, संपत्ति और सुरक्षा के अधिकार सुनिश्चित हों। अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के संदर्भ में भी यह फैसला दूरगामी महत्व रखता है। गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में नरसंहार समझौते के उल्लंघन का मामला दायर किया है। इसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध से जुड़ा विवाद भी नरसंहार समझौते के दायरे में अदालत के सामने है। म्यांमार के मामले में अदालत ने नरसंहार के इरादे को साबित करने के लिए जिस तरह परिस्थितिजन्य साक्ष्यों और घटनाओं के व्यापक स्वरूप का मूल्यांकन किया है, उस पर दूसरे मामलों में भी चर्चा होगी। हालांकि, म्यांमार का फैसला गाजा या यूक्रेन के मामलों का स्वत- निर्णय नहीं है। प्रत्येक मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और कानूनी परिस्थितियों के आधार पर अलग निष्कर्ष निकाला जाएगा। फैसले के बाद सबसे बड़ी चुनौती उसके क्रियान्वयन की है। आईसीजे के निर्णय संबंधित देशों के लिए बाध्यकारी होते हैं और इस फैसले के खिलाफ अपील का प्रावधान नहीं है, लेकिन अदालत के पास अपने आदेश लागू कराने के लिए स्वतंत्र पुलिस या सैन्य व्यवस्था नहीं है। म्यांमार के अनुपालन से इनकार करने की स्थिति में गाम्बिया संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का रुख कर सकता है। वहां स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार और भू-राजनीतिक हित कार्रवाई को प्रभावित कर सकते हैं। म्यांमार ने भी फैसले को अनुचित बताते हुए इसका विरोध किया है और कहा है कि वह कानूनी समीक्षा करेगा। अदालत ने म्यांमार को नरसंहार के दोषियों की जांच, मुकदमा और सजा सुनिश्चित करने, भविष्य में ऐसे अपराध रोकने तथा पीड़ितों को मुआवजा देने के निर्देश दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस ने इसे अंतर्राष्ट्रीय न्याय की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए दंडमुक्ति समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। यहां स्पष्ट करते चलें कि किसी समुदाय का अस्तित्व केवल उसकी जान बचाने से सुरक्षित नहीं होता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेयरफैक्स अब आईआईएफएल कैपिटल का नया प्रवर्तक

44.08 प्रतिशत की नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल की

नई दिल्ली ।

कनाडा के अरबपति प्रेम वत्स की अगुवाई वाले फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स समूह ने आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज में अपनी कुल हिस्सेदारी बढ़ाकर 44.08 प्रतिशत कर ली है। इस अधिग्रहण के साथ फेयरफैक्स अब कंपनी का नया प्रवर्तक बन गया है, जो भारत में समूह की बढ़ती निवेश रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। फेयरफैक्स की निवेश इकाई एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने खुले बाजार से शेयरों की खरीद प्रक्रिया पूरी की। आंकड़ों के मुताबिक, एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने औसत 350 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 1,540 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जिससे आईआईएफएल कैपिटल में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.79 प्रतिशत हो गई। संबद्ध इकाइयों के साथ फेयरफैक्स समूह की कुल हिस्सेदारी 44.08 प्रतिशत हो गई है। इस बदलाव के बाद, आईआईएफएल के मौजूदा प्रवर्तक समूह की हिस्सेदारी 25.80 प्रतिशत से घटकर 11.85 प्रतिशत रह गई। प्रवर्तक समूह के प्रमुख निर्मल जैन और वेंकटरमण राजमणि ने अपनी हिस्सेदारी बेची है। यह कदम फेयरफैक्स समूह के लिए भारत में अपनी वित्तीय सेवाओं की उपस्थिति को और मजबूत करने का संकेत है।

अर्बन कंपनी ने क्यूआईपी से जुटाए 2,500 करोड़

6 गुना से अधिक की मिली जबरदस्त मांग

नई दिल्ली ।

घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने घोषणा की है कि उसने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के माध्यम से 2,500 करोड़ रुपये सफलतापूर्वक जुटाए हैं। इस निर्गम के लिए कंपनी को निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की जबरदस्त मांग मिली, जो प्रस्तावित राशि का छह गुना से भी अधिक है। यह पूंजी कंपनी के इंस्टाहेल्प आपूर्ति पारिस्थितिकी तंत्र, विपणन, प्रौद्योगिकी उन्नयन, प्रशिक्षण और संभावित अधिग्रहणों को बढ़ावा देने में सहायक होगी। कंपनी ने बताया कि क्यूआईपी 16 नवंबर को खुला और 19 नवंबर को बंद हुआ। निदेशक मंडल ने 19 नवंबर को एक रुपये अंकित मूल्य वाले 16,02,56,410 इक्विटी शेयरों को 156 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर आवंटित करने की मंजूरी दी। यह निर्गम मूल्य न्यूनतम 161.03 रुपये प्रति शेयर से 3.1 प्रतिशत की छूट पर था। क्यूआईपी में 60 से अधिक निवेशकों ने बोलियां लगाईं, जिनमें से 33 निवेशकों को शेयर आवंटित किए गए। इनमें 13 ऐसे निवेशक भी शामिल थे जिनके पास निर्गम की तिथि तक कंपनी के शेयर नहीं थे। निर्गम का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 13 प्रमुख म्यूचुअल फंड कंपनियों को आवंटित किया गया। इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिरे एसेट, इन्वेस्को, व्हाइटओक कैपिटल, मोतीलाल ओसवाल, आदित्य बिड़ला सन लाइफ, कोटक, निप्पॉन इंडिया, यूटीआई, एडलवाइस, बंधन और जेएम फाइनेंशियल म्यूचुअल फंड शामिल हैं, जो कंपनी में मजबूत संस्थागत विश्वास को दर्शाता है।

सेबी ने आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के हस्तांतरण को दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा (पीएमएस) कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) को हस्तांतरित करने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है।

यह अधिग्रहण आईसीआईसीआई समूह के भीतर परिसंपत्ति प्रबंधन सेवाओं के पुनर्गठन का हिस्सा है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने हाल ही में शेयर बाजार को दी नियामकीय सूचना में बताया कि उसे आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज से एक ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में जानकारी दी गई है कि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज को सेबी से एक पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें उसके पीएमएस कारोबार को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी को हस्तांतरित करने की मंजूरी दी गई है। यह अधिग्रहण चालू स्थिति में एकमुश्त बिक्री के आधार पर किया जाएगा। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के निदेशक मंडल ने पहले ही 10 अगस्त को आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज के पीएमएस कारोबार के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद दोनों कंपनियों ने इस सौदे के लिए एक कारोबार हस्तांतरण समझौता किया था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 897, निफ्टी 286 अंक उछला

मुम्बई ।



भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ कारोबार का समापन किया। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी होने से आया है। जिससे प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने एक बार फिर नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच। लगातार दूसरे सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए, बाजार ने निवेशकों को बड़ी राहत दी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 897.96 अंक की प्रभावशाली बढ़त के साथ 83,919.71 के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 286.30 अंक की छलांग लगाकर 25,800.60 पर पहुंचा। दिन के कारोबार के दौरान भी दोनों प्रमुख सूचकांकों ने अपने उच्चतम स्तरों को हासिल किया। सेंसेक्स ने 1,016.21 अंकों की उछाल के साथ 84,037.96 का इंट्रा-डे हाई दर्ज किया, जबकि निफ्टी 50 ने 294.5 अंकों की तेजी के साथ 25,808.80 के उच्चतम स्तर को स्पर्श किया। यह दिखाता है कि बाजार में निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। आज के कारोबार में, निफ्टी 50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स के शेयरों में 5.2 प्रतिशत की सबसे बड़ी बढ़त देखी गई। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, मैक्स हेल्थकेयर, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी 3 से 4 प्रतिशत की अच्छी तेजी दर्ज की गई। हालांकि, टाइटन, टाटा स्टील, एनटीपीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) जैसे कुछ शेयरों में गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.66 प्रतिशत की मामूली बढ़त दर्ज हुई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 0.13 प्रतिशत की हल्की गिरावट आई। सेक्टरवार प्रदर्शन में, निफ्टी प्राइवेट बैंक में 3 प्रतिशत, निफ्टी बैंक में 2.5 प्रतिशत, पीएसयू बैंक में 1.2 प्रतिशत और निफ्टी आईटी में 1.3 प्रतिशत की उछाल आई। रियल एस्टेट (1.7 प्रतिशत), फाइनेंशियल सर्विसेज (1.6 प्रतिशत) और ऑटो (0.65 प्रतिशत) सेक्टर भी हरे निशान में रहे। इसके विपरीत, निफ्टी मीडिया में 1.68 प्रतिशत और निफ्टी मेटल में 0.23 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

डॉलर के मुकाबले रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 पर खुला

-पिछले दिन रुपया नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था



मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में विदेशी निवेशकों की मजबूत लिवाली और प्रमुख प्रतिस्पर्धी मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे मजबूत होकर 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बावजूद स्थानीय मुद्रा ने मजबूती दिखाई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.25 पर खुला और फिर बढ़त हासिल करते हुए 93.15 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की मजबूती दर्शाता है। गुरुवार को रुपया लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे चढ़कर 93.32 पर बंद हुआ था।

कच्ची चीनी आयात के लिए डीजीएफटी ने फिर खोला कोटा

पात्र मिलें 27 नवंबर तक कर सकेंगी आवेदन

नई दिल्ली ।



वाणिज्य मंत्रालय के तहत विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कच्ची चीनी के आयात के लिए शेष बचे कोटे के आवंटन हेतु एकबारगी आवेदन सुविधा शुरू की है। यह सुविधा उन पात्र चीनी मिलों और रिफाइनरी इकाइयों के लिए है, जो 27 नवंबर तक इस कोटे के लिए आवेदन कर सकती हैं। अगस्त में अधिसूचित 10 लाख टन के कुल शुल्क दर कोटे (टीआरक्यू) में से 8,12,450 टन का आवंटन पहले ही किया जा चुका था। संबंधित आवंटियों द्वारा 27,493.859 टन कोटा वापस करने और पहले से आवंटित न की गई 1,87,550 टन मात्रा को मिलाकर, अब कुल 2,15,043.859 टन कच्ची चीनी आयात के लिए उपलब्ध है। डीजीएफटी ने बताया कि वैधता अवधि बढ़ाए जाने और शेष मात्रा को देखते हुए यह सुविधा शुरू की गई है। इसके तहत केवल वही चीनी मिलें और रिफाइनरी इकाइयां आवेदन कर सकती हैं जिनके पास आयातित कच्ची चीनी को सफेद/रिफाइंड चीनी में बदलने की अपनी कार्यशील क्षमता है।

यूएनओ बैंक कंगाल, नेताओं की सिफारिश पर खास लोगों को बांटे अंधाधुंध कर्ज

बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित, देश में मचा वित्तीय हड़कंप

पराग्वे।

यूएनओ बैंक, जो कभी सबसे तेजी से उभरते हुए वित्तीय संस्थानों में से एक था, अब डूब गया है। बैंक ने कथित तौर पर नेताओं की सिफारिश पर अपने ही समूह की कंपनियों और खास लोगों को अंधाधुंध कर्ज बांटे। इस वित्तीय संकट के कारण बैंक के 30 लाख से ज्यादा ग्राहक प्रभावित हुए, जिनकी हजारों करोड़ रुपए की जमा पूंजी अब खतरे में है। पराग्वे सरकार ने इस नुकसान की भरपाई को बहुत मुश्किल बताया है, जिससे पूरे देश में वित्तीय हड़कंप मच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यूएनओ बैंक ने एक फिनटेक स्टार्टअप के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी और डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के जरिए तेजी से लोकप्रियता हासिल की। मोबाइल ऐप, कैशबैक और अन्य आकर्षक प्रस्तावों ने इसे चंद सालों में पराग्वे की 64 लाख की आबादी में से 30 लाख ग्राहक बनाने में मदद की। बैंक ने पराग्वे की फुटबॉल टीम को भी प्रायोजित किया और कई स्टेडियमों से जुड़ा, जिससे इसकी छवि और मजबूत हुई। हालांकि, इस बाहरी चमक के पीछे, बैंक अंदरूनी तौर पर खोखला होता चला गया। आरोप है कि बैंक ने केवल उन्हीं कमजोर कंपनियों को कर्ज दिए जिनके उसके मालिकों या राजनीतिक हस्तियों से संबंध थे, जिससे संकट की शुरुआत हुई। यह भी आरोप है कि बैंक ने अपनी बैलेंस शीट में वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाया और कुछ खर्चों को गलत तरीके से संपत्ति के रूप में दिखाया। जांच में तत्कालीन राष्ट्रपति की एक संपत्ति पर छापेमारी में एक तिजोरी भी मिली। इस बैंक में केवल आम लोगों का ही नहीं, बल्कि राज्य के पेंशन और हेल्थ फंड समेत करीब 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा का सार्वजनिक धन भी जमा था, जिससे संकट और गहरा गया। आमतौर पर ऐसे मामलों में केंद्रीय बैंक तुरंत हस्तक्षेप करता है, लेकिन जानकारों के मुताबिक पराग्वे के केंद्रीय बैंक ने इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं की। रिपोर्टों में दावा किया गया कि कुछ अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोका गया था और ये आदेश तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख की ओर से आते थे। विवाद बढ़ने के बाद, तत्कालीन राष्ट्रपति और केंद्रीय बैंक के प्रमुख को इस्तीफा देना पड़ा।

नए केंद्रीय बैंक प्रमुख ने बताया कि पांच दिनों से भी कम समय में करीब 18.12 लाख लोगों के खाते दूसरे बैंकों में स्थानांतरित किए गए और जमा राशि के भुगतान के लिए डिपॉजिट गारंटी फंड का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक के डूबने से एक अरब डॉलर से ज्यादा का नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

टूआरई ओरियाना पावर पांच सीबीजी संयंत्रों में 750 करोड़ का निवेश करेगी

यूपी, एमपी और गुजरात में लगेंगे 110 टन प्रतिदिन क्षमता वाले संयंत्र

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी टूआरई ओरियाना पावर लिमिटेड ने जैव ऊर्जा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है।

कंपनी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात में 750 करोड़ रुपये के निवेश से पांच नए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है।

इन संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता 110 टन प्रतिदिन होगी और इनके अगले दो वर्षों के भीतर चालू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं को सरकार की गोबर-धन पहल के तहत पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह निवेश टूआरई ओरियाना के सौर ऊर्जा और बैटरी भंडारण से आगे बढ़कर वैकल्पिक ईंधन के क्षेत्र में कदम रखने का प्रतीक है। कंपनी का यह कदम भारत के ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने, घरेलू ईंधन आपूर्ति को मजबूत करने और आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के राष्ट्रीय लक्ष्य में भी योगदान देगा। टूआरई ओरियाना पावर के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी हरित हाइड्रोजन, अमोनिया और सीबीजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को उच्च क्षमता वाले उभरते अवसरों के रूप में देखती है।



सोने की चाल बिगड़ी, बफे के सिद्धांत की हुई जीत

मुंबई ।

गोल्ड मार्केट में आई हालिया गिरावट ने कई निवेशकों को चौंकाया है। वहीं दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे के निवेश सिद्धांतों को यह स्थिति एक बार फिर सही साबित करती दिख रही है, क्योंकि वह हमेशा से सोने को अनुत्पादक मानते रहे हैं। 2024 से 2026 की शुरुआत तक गोल्ड में अच्छी तेजी थी, जब कई निवेशकों ने फायदा उठाया। वॉरेन बफे ने तब भी इससे दूरी बनाए रखी। अब, सोने में फिर गिरावट का रुख है।

फंड्सइंडिया रिसर्च के मुताबिक, इस साल 31 अक्टूबर तक सोने में सालाना आधार पर 25 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज हुई, जो 1980 के बाद की सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है। नोमुरा का अनुमान है कि सोना गिरकर 3500 डॉलर तक आ सकता है, जो मौजूदा स्तर से करीब 5 फीसदी कम होगा। जहां कई निवेशक महंगाई या बाजार में हलचल से बचाव के लिए सोने को अच्छा मानते हैं, वहीं बफे का दृष्टिकोण भिन्न है। उनका मानना है कि सोना अपने मालिक के लिए कोई कमाई नहीं करता - न ब्याज, न डिविडेंड, न कोई नया प्रोडक्ट। इसमें निवेश करने वाले सिर्फ इस उम्मीद में पैसा लगाते हैं कि कोई दूसरा निवेशक इसे ज्यादा कीमत पर खरीदेगा।

फ्लिपकार्ट सेल समय बदलाव से वॉलमार्ट की तीसरी तिमाही में आय प्रभावित

अमेरिकी खुदरा दिग्गज को तीसरी तिमाही में एक प्रतिशत राजस्व वृद्धि का नुकसान

नई दिल्ली ।

अमेरिकी खुदरा दिग्गज वॉलमार्ट ने हाल ही में घोषणा की है कि उसकी तीसरी तिमाही की राजस्व वृद्धि पर एक प्रतिशत का नकारात्मक असर पड़ा है। इसकी मुख्य वजह उसकी भारतीय ई-कॉमर्स इकाई फ्लिपकार्ट की प्रमुख बिग बिलियन डेज (बीबीडी) बिक्री आयोजन का समय बदलना है, जो इस साल चौथी तिमाही में चला गया है। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में स्पष्ट किया कि पिछले साल की तुलना में फ्लिपकार्ट की 11-दिवसीय बिग बिलियन डेज बिक्री का समय बदलने से यह प्रभाव पड़ा। जहां तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि नकारात्मक रूप से प्रभावित हुई, वहीं चौथी तिमाही में इसका अपेक्षित लाभ मिलने की उम्मीद है।

वॉलमार्ट इंक के एक अे धिकारी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फ्लिपकार्ट के बीबीडी आयोजन के समय में बदलाव के कारण उन्हें तीसरी तिमाही में राजस्व वृद्धि में एक फीसदी की कमी का सामना करना पड़ा।

उन्होंने बताया कि इस आय को इस साल अंतरराष्ट्रीय खंड की चौथी तिमाही के नतीजों में दर्ज किया जाएगा। यह बदलाव दर्शाता है कि त्योहारी बिक्री के समय का बड़े खुदरा खिलाड़ियों की आय पर कितना गहरा असर पड़ता है। खबरों के मुताबिक, 9 अक्टूबर को शुरू हुए बिग बिलियन डेज के 13वें संस्करण में ऑर्डर, इकाइयों और खरीदारों की संख्या में सालाना आधार पर 20 से 22 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई, जो चौथी तिमाही के लिए मजबूत आय का संकेत है।

मॉरीशस निवेशक के एमएफ यूनिट बिक्री पर भारत में टैक्स नहीं

अदालत ने कहा- निवेशक फंड की इकाई का मालिक, अंतर्निहित शेयरों का नहीं



नई दिल्ली ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में मॉरीशस स्थित निवेशकों के लिए इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुए मुनाफे पर भारत में टैक्स नहीं लगाने का स्पष्टीकरण दिया है। यह फैसला इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स को 593.48 करोड़ रुपए के टैक्स विवाद में बड़ी राहत देता है, जिससे भारत-मॉरीशस दोहरे कराधान से बचाव समझौते (डीटीएए) के तहत कर छूट के दावे को बल मिला है। अदालत ने आयकर विभाग की उस दलील को खारिज कर दिया जिसमें म्यूचुअल फंड यूनिट की बिक्री से हुई कमाई को अंतर्निहित भारतीय कंपनियों के शेयरों की बिक्री से प्राप्त लाभ माना जा रहा था। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निवेशक केवल म्यूचुअल फंड की यूनिट का मालिक होता है, न कि फंड के जरिए खरीदे गए शेयरों का। इसलिए यूनिटधारक सीधे तौर पर किसी कंपनी का शेयरधारक नहीं होता।

यह मामला मॉरीशस स्थित इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स से संबंधित था, जिसने आकलन वर्ष 2022-23 में इक्विटी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर 593.48 करोड़ रुपए का पूंजीगत लाभ कमाया था। आयकर विभाग का तर्क था कि फंड की 65 फीसदी से अधिक संपत्ति भारतीय शेयरों में निवेशित थी, इसलिए पूरी कमाई भारत में कर योग्य होनी चाहिए।

एआई निवेश की चिंता ने गिराए एशियाई टेक शेयर

जापानी निक्केई चार महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली ।

एशियाई टेक और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में शुक्रवार को भारी गिरावट देखने को मिली। जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान की कई दिग्गज कंपनियों, जिनमें सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टबैंक शामिल हैं, के शेयर 17 फीसदी तक लुढ़क गए। यह गिरावट एआई कंपनियों द्वारा किए जा रहे भारी निवेश के भविष्य में संभावित मुनाफे को लेकर निवेशकों की बढ़ती चिंता का परिणाम है, जबकि हाल ही में एआई फर्म एंथ्रोपिक का आईपीओ रिकॉर्डतोड़ सफल रहा था। बाजार के जानकारों का मानना है कि निवेशकों को संदेह है कि एआई पर कंपनियों द्वारा खर्च की जा रही भारी रकम भविष्य में कितना मुनाफा देगी।

एंथ्रोपिक के शानदार आईपीओ के बावजूद यह चिंता दूर नहीं हुई। पिछले कई महीनों से एआई कंपनियों के ऊंचे मूल्यांकन और बढ़ते खर्च को लेकर बाजार में चिंता बनी हुई है। इस बिकवाली के चलते चिप टेस्टिंग उपकरण बनाने वाली जापानी कंपनी एडवांटेस्ट के शेयर 12 फीसदी गिरे, वहीं सॉफ्टबैंक ग्रुप का शेयर 17 फीसदी तक टूट गया। जापान का बेंचमार्क निक्केई 225 इंडेक्स अप्रैल के बाद सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया में मेमोरी चिप बनाने वाली एसके हाइनिक्स और सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयरों में 6 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। ताइवान में भी, शॉर्ट सेलिंग पर पाबंदियों के बावजूद, टीएसएमसी और मीडियाटेक के शेयरों में गिरावट जारी रही। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद नियमों में संभावित बदलाव और एक बड़ी वैश्विक चिप कंपनी से वरिष्ठ अधिकारी के अचानक हटने से भी एआई सेक्टर को लेकर अनिश्चितता बढ़ी है। निवेशक अब एआई कंपनियों की केवल बिक्री वृद्धि नहीं, बल्कि कमाई के मुकाबले खर्च के अनुपात को भी बारीकी से देख रहे हैं। यह सब मिलकर निवेशकों में जरूरत से ज्यादा बुनियादी ढांचे पर खर्च और निवेश पर रिटर्न को लेकर चिंता पैदा कर रहा है।

जेपी मॉर्गन चेज के हजारों ग्राहकों का डेटा लीक

ईमेल और फोन नंबर हुए सार्वजनिक, पर संवेदनशील वित्तीय जानकारी सुरक्षित

न्यूयॉर्क ।

अमेरिका के जेपी मॉर्गन चेज बैंक से जुड़ी एक बड़ी साइबर सुरक्षा घटना सामने आई है। बैंक को सेवाएं प्रदान करने वाली कुछ बाहरी कंपनियों पर हुए साइबर हमले के बाद हजारों ग्राहकों की निजी जानकारी इंटरनेट पर लीक हो गई है। लीक हुए डेटा में मुख्य रूप से ईमेल पते और कुछ फोन नंबर शामिल हैं, हालांकि बैंक ने स्पष्ट किया कि क्रेडिट कार्ड विवरण या अन्य अत्यधिक संवेदनशील वित्तीय जानकारी प्रभावित नहीं हुई। बैंक ने यह भी पुष्टि की है कि यह घटना हाल ही में उसकी बैंकिंग सेवाओं में आई तकनीकी खराबी से संबंधित नहीं है।

बैंक प्रवक्ता ने बताया कि हमलावरों ने इन बाहरी कंपनियों के मार्केटिंग से संबंधित डेटा तक पहुंच बनाई, जिसमें ग्राहकों के नाम और ईमेल पते शामिल थे। वीजा और मास्टरकार्ड ने भी डेटा लीक की पुष्टि की है, लेकिन स्पष्ट किया कि उनके भुगतान संबंधी कार्यों या ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी पर कोई असर नहीं पड़ा। बैंक के अनुसार प्रभावित खातों की संख्या हजारों में है, जो चेज बैंक के करोड़ों ग्राहकों के आधार का एक छोटा हिस्सा है। घटना को फिलहाल काबू में कर लिया गया है और प्रभावित कार्डधारकों की सहायता की जा रही है। बैंक ने दोहराया कि यह साइबर हमला इस सप्ताह की शुरुआत में हुई सॉफ्टवेयर खराबी के कारण आई बैंकिंग सेवाओं में बाधा से पूरी तरह अलग है। यह घटना हाल ही में विश्व स्तर पर सामने आई तकनीकी समस्याओं की श्रृंखला का हिस्सा है, जिसने विमान सेवाओं और माइक्रोसॉफ्ट की ईमेल सेवाओं को भी प्रभावित किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने में

कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं'

गौतम गंभीर और पृथ्वी शॉ के कोच का बयान



नई दिल्ली । गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंडिया की प्लेइंग इलेवन से मोहम्मद सिराज को बाहर रखने के पीछे धार्मिक एंगल के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि टीम का चयन पूरी तरह से क्रिकेट की जरूरतों और कॉम्बिनेशन पर आधारित था। आईएएनएस से बात करते हुए भारद्वाज ने कहा, 'यह आरोप बेबुनियाद है। इंडियन क्रिकेट टीम में कोई हिंदू-मुस्लिम एंगल नहीं है। हर कोई इंडियन है और देश का प्रतिनिधित्व करता है। गौतम गंभीर ने हमेशा मोहम्मद सिराज का समर्थन किया है। अगर सिराज प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं, तो यह पूरी तरह से टीम की जरूरतों की वजह से है। सिलेक्शन टीम के कॉम्बिनेशन, प्लेयर्स की पोजीशन और उनके परफॉर्मेंस पर निर्भर करता है। गंभीर किसी से निजी दुश्मनी नहीं रखते। उनकी प्राथमिकता सही कॉम्बिनेशन के साथ एक मजबूत टीम बनाना है। बीसीसीआई भी किसी भी हिंदू-मुस्लिम बंटवारे में न तो विश्वास करता है और न ही उसे बढ़ावा देता है। ऐसे आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।' क्रिकेटर पृथ्वी शॉ के बचपन



के कोच संतोष पिंगुलकर ने भी हिंदू-मुस्लिम एंगल को खारिज किया है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'सिराज को टीम से बाहर रखने से जुड़ी जो चर्चा चल रही है, वो बेबुनियाद है। उन्हें वनडे में मौका दिया गया था। वह अभी भी टीम का हिस्सा हैं। उन्हें लेकर जो राजनीतिक बयान आ रहे हैं, वो गलत हैं। क्रिकेट में राजनीति की कोई जगह नहीं है।' दरअसल, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार से वेलिंगटन में शुरू हुए टेस्ट मैच की भारतीय प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज को शामिल नहीं किए जाने पर एक विवादित बयान दिया है। उन्होंने सिराज को टीम में जगह न मिलने का कारण उनका नाम बताया है। मसूद ने कहा, 'उनका नाम सिराज है–क्या यही वजह काफी नहीं है? अगर वह अच्छा कर रहा है और फिर भी उसे नहीं चुना जा रहा है, तो इसके पीछे और क्या वजह हो सकती है? सिर्फ यही वजह हो सकती है, इसके अलावा कोई और वजह नहीं हो सकती।' सिराज, जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) साइकिल में भारत के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं, उन्हें टीम से बाहर रखने की वजह से टीम की चयन रणनीति पर सवाल उठे हैं।



महेला जयवर्धने बने जीएमआर स्पोर्ट्स में क्रिकेट डायरेक्टर

डब्ल्यूपीएल का कामकाज देखेंगे

नई दिल्ली । श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने को जीएमआर स्पोर्ट्स ने क्रिकेट डायरेक्टर बनाया है। जयवर्धने इस भूमिका में विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी, आईएलटी20 में दुबई कैपिटल्स और द हंड्रेड में सदर्न ब्रेव के क्रिकेट



कामकाज देखेंगे। जीएमआर स्पोर्ट्स क्रिकेट टीम के पोर्टफोलियो में, जयवर्धने क्रिकेट ऑपरेशन, टैलेंट की पहचान, प्लेयर डेवलपमेंट और परफॉर्मेंस मैनेजमेंट पर स्ट्रेटेजिक डायरेक्शन देंगे और हर फ्रेंचाइजी में लीडरशिप, हेड कोच और क्रिकेट मैनेजमेंट टीमों के साथ मिलकर काम करेंगे। वह हैम्पशायर के क्रिकेट डायरेक्टर जाइल्स व्हाइट के साथ भी काम करेंगे, ताकि ग्रुप की टीमों के बीच नॉलेज, एक्सपर्टीज और बेस्ट प्रैक्टिस साझा कर सकें। इस नियुक्ति से डब्ल्यूपीएल जीतने की कोशिश कर रही दिल्ली कैपिटल्स को मजबूती मिलेगी। दिल्ली कैपिटल्स 2023 में शुरू हुए डब्ल्यूपीएल की पांच फाउंडिंग टीमों में से एक है। अब तक टूर्नामेंट के सभी चार एडिशन में फाइनल में पहुंची टीम हर बार रनर-अप रही है। अपनी नियुक्ति के बाद जयवर्धने ने शनिवार को दिए एक बयान में कहा, 'दिल्ली कैपिटल्स की एक मजबूत पहचान है और महिला क्रिकेट के भविष्य के लिए एक रोमांचक विजन है। मुझे डब्ल्यूपीएल टीम के लिए क्रिकेट डायरेक्टर का रोल निभाने में बहुत खुशी हो रही है। इस कॉम्पिटिशन में महिलाओं के खेल के भविष्य को आकार देने की बहुत ज्यादा क्षमता है। मैं टैलेंटेड खिलाड़ियों के एक स्थापित ग्रुप और एक अनुभवी सपोर्ट टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।'

हांगकांग ओपन 2026

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, रक्षिता बाहर

हांगकांग । भारत की सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने शुक्रवार को चीन के हू के युआन और लिन जियांग यी की जोड़ी को हराकर हांगकांग ओपन 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारतीय जोड़ी ने चीनी जोड़ी को 21-12, 13-21, 21-16 से हराकर जीत दर्ज की। वे दूसरा गेम हार गए, लेकिन वापसी करते हुए तीसरा गेम जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारतीय जोड़ी ने 13 मिनट में 21-12 से पहला गेम जीत लिया। दूसरा गेम ज्यादा कड़ा था और 4-4 की बराबरी के बाद दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। फिर स्कोर 9-9



से बराबर हो गया। हू और लिन ने 13-11 से बढ़त बनाई और 15-11 पर पहुंचने के बाद इसे 21-13 से जीत लिया। भारतीयों ने तीसरे गेम में जबरदस्त वापसी की और इंटरवल तक 11-7 से आगे थे। उन्होंने जीत का सिलसिला बनाए रखा और 15-9 तथा 17-10 से आगे हो गए। हालांकि, चीनी जोड़ी ने आखिर में वापसी की कोशिश की, लेकिन सात्विक और चिराग ने अपना संयम बनाए रखते हुए गेम 21-16 से जीतकर आखिरी चार में जगह बनाई।

दूसरी ओर, भारत की रक्षिता रामराज महिला एकल क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग से 53 मिनट में 19-21, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं। 19 साल की भारतीय खिलाड़ी ने पहले गेम में कड़ी टक्कर दी, जिसमें स्कोर 13-13 से बराबर रहा। चोचुवोंग 17-15 से आगे हो गईं, लेकिन रक्षिता ने वापसी करते हुए 17-17 से बराबरी कर ली। हालांकि, थाई शटलर ने धैर्य बनाए रखते हुए 21-19 से गेम जीत लिया।

वेलिंगटन टेस्ट: दूसरे दिन का खेल समाप्त
भारत का स्कोर 1 विकेट पर 159 रन

जायसवाल शतक से चूके

वेलिंगटन । भारत ने बेसिन रिजर्व में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन की समाप्ति के समय 1 विकेट के नुकसान पर 159 रन बना लिए थे। केएल राहुल 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन बनाकर क्रीज पर हैं। भारत की तरफ से पारी की शुरुआत यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने की। शुरुआत धीमी रही, लेकिन एक बार लय मिलने के बाद भारतीय ओपनरों ने मैदान के चारों ओर रन बनाए। जायसवाल बेहद आक्रामक रहे। बाएं हाथ का यह युवा सलामी बल्लेबाज शतक से चूक गया। जायसवाल 89 गेंदों पर 16 चौकों की मदद से 85 रन बनाकर आउट हुए। जायसवाल को मैट हेनरी ने आउट किया। आउट होने से पहले इस खिलाड़ी ने पहले विकेट के लिए केएल राहुल के साथ 27.5 ओवर में 130 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दी। केएल राहुल 116 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं, जबकि तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पडिक्कल 35 गेंदों पर 3 चौकों की मदद से 16 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों के बीच 29 रन की साझेदारी हो चुकी है। भारतीय टीम न्यूजीलैंड की पहली पारी के स्कोर से अभी भी 209 रन पीछे है।

इससे पहले दूसरे दिन की शुरुआत न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर 243 रन से की थी। निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। वह 216 गेंदों पर 118 रन बनाकर आउट हुए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की साझेदारी की।

फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया। हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे।

भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4 विकेट, आकाशदीप ने 3 विकेट, अंशुल कंबोज ने 2 विकेट और प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट लिया। वॉशिंगटन सुंदर को विकेट नहीं मिला।



निकोलस 175 पर नाबाद रहे, फिलिप्स ने भी लगाया शतक

न्यूजीलैंड ने पहली पारी में बनाए 368 रन

वेलिंगटन। भारत के खिलाफ बेसिन रिजर्व में खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन के दूसरे सेशन में न्यूजीलैंड की पहली पारी 368 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड के लिए हेनरी निकोलस और ग्लेन फिलिप्स ने बेहतरीन शतकीय पारी खेली। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन की शुरुआत 5 विकेट पर 243 रन से की थी।

निकोलस 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन पर नाबाद थे। फिलिप्स ने शानदार शतक लगाया। आकाशदीप की गेंद पर बोल्ड होने से पहले फिलिप्स ने 216 गेंदों पर 118 रन बनाए। फिलिप्स और निकोलस ने छठे विकेट के लिए 216 रन की अहम साझेदारी कर स्कोर को 286 तक पहुंचाया। फिलिप्स का विकेट गिरने के बाद भी निकोलस ने एक छोर थामे रखा और नाथन स्मिथ (14) के साथ सातवें विकेट के लिए 32, काइल जैमिसन (11) के साथ आठवें विकेट के लिए 25 और जैकब डफी (4) के साथ दसवें विकेट के लिए 20 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 368 रन तक पहुंचाया।

हेनरी निकोलस 335 गेंदों पर 21 चौकों की मदद से 175 रन बनाकर नाबाद रहे। निकोलस का यह 12वां टेस्ट शतक है और इस वेन्यू पर लगाया 5वां शतक है।

ग्लेन फिलिप्स ने की रोहित शर्मा की बराबरी

हासिल की असाधारण उपलब्धि

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स ने वेलिंगटन में भारत के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट मैच के दूसरे दिन (शुक्रवार) शतक लगाया। फिलिप्स ने 118 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही फिलिप्स ने एक अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ग्लेन फिलिप्स एक ही कैलेंडर ईयर में भारत के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। एक ही कैलेंडर ईयर में किसी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाले फिलिप्स दुनिया के दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले यह कीर्तिमान भारत



के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा भी हासिल कर चुके हैं। फिलिप्स ने जनवरी 2026 में इंदौर में भारत के खिलाफ हुए वनडे में 106 रन की पारी खेली थी। वहीं, भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई घरेलू टी20 सीरीज के चौथे मैच में उन्होंने 107 रन बनाए थे। मौजूदा टेस्ट में खेली गई 118 रन की पारी से उन्होंने एक कैलेंडर ईयर में एक ही टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने की उपलब्धि हासिल की। रोहित शर्मा ने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाया था। उस समय वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज थे। ग्लेन फिलिप्स न्यूजीलैंड के लिए एक बेहतरीन ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं, और भारत के खिलाफ उनका प्रदर्शन हमेशा से शानदार रहा है। फिलिप्स ने भारत के खिलाफ 4 टेस्ट मैचों की 6 पारियों में 1 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 232 रन बनाए हैं। वहीं, 16 वनडे की 12 पारियों में 1 शतक की बदौलत 342 रन बनाए हैं। टी20 फॉर्मेट में फिलिप्स का प्रदर्शन और भी प्रभावशाली है। भारत के खिलाफ 22 टी20 मैचों की 20 पारियों में 1 शतक और 5 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 657 रन बनाए हैं।

रियल मैड्रिड ने ऑरेलियन टचौमेनी के साथ 6 साल का नया करार किया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड ने फ्रांसीसी मिडफील्डर ऑरेलियन टचौमेनी के साथ अपना करार जून 2032 तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही क्लब ने अपने एक अहम खिलाड़ी को लंबे समय के लिए साथ बनाए रखा है। स्पेनिश क्लब ने गुरुवार को इस करार के विस्तार की घोषणा करते हुए पुष्टि की है कि यह मिडफील्डर अगले छह साल तक सैंटियागो बर्नाबेउ (रियल मैड्रिड का स्टेडियम) में बना रहेगा। टचौमेनी 2022 में फ्रांसीसी क्लब एएस मोनाको से रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे। उन्होंने पिछले पांच सीजन में 205 मुकाबले खेले हैं और इस दौरान क्लब के साथ आठ ट्रॉफियां जीतीं। उनकी जीती गई ट्रॉफियों में एक यूईएफए चैंपियंस लीग, दो फीफा क्लब वर्ल्ड कप, दो यूईएफए सुपर कप, एक ला लीगा खिताब, एक कोपा डेल रे और एक स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं।



उस्मान ख्वाजा 'सबसे बड़े गद्दार'

सैंडपेपरगेट खुलासे के बाद पूर्व दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज का बयान

पर्थ । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज फैनी डिविलियर्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर उस्मान ख्वाजा को खेल का 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। फैनी का यह बयान उस्मान ख्वाजा की नई किताब 'सब्र' में 2018 के बॉल-टैम्परिंग स्कैंडल के ज़िक्र और उसे लेकर हो रहे विवाद के बाद आया है। ख्वाजा ने अपनी किताब 'सब्र' में दावा किया है कि 2018 में केपटाउन में हुए सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी। फैनी डिविलियर्स ने इस मामले के सामने आने के बाद उस्मान ख्वाजा पर तीखा हमला करते हुए उन्हें 'सबसे बड़ा गद्दार' कहा है। पर्थ स्थित एक एफएम चैनल से बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा, 'मैं ऑन रिकॉर्ड कहना चाहता हूं कि ख्वाजा शायद सबसे बड़ा गद्दार है, जिसे मैंने पिछले 40-50 वर्षों में खेल खेलते हुए देखा है। उसने हर एक कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ा है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है। उसने अपने साथी खिलाड़ियों को बेच दिया है। यह सही या गलत के बारे में नहीं है। गलत को पहले ही हैंडल किया जा चुका है। यह पहले से ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का हिस्सा रहा है। दुख की बात है कि ऐसा हुआ। इस आदमी ने सब कुछ फिर से सामने ला दिया है।' डिविलियर्स ने कहा, 'ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को एक बार फिर बदनाम किया है। उसने दोस्ती तोड़ी है और टीम के अंदर जो कोड ऑफ कंडक्ट होता है, उसे भी तोड़ा है। उसने वह सब कुछ गलत किया है, जिसके बारे में कोई सोच सकता है।'



ख्वाजा की किताब प्रकाशित होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के अलग-अलग बयानों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। पूर्व सलामी बल्लेबाज और उस टेस्ट का हिस्सा रहे डेविड वॉर्नर ने ख्वाजा के दावों का समर्थन किया है। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने एक लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ख्वाजा के दावों को बकवास करार दिया था। मिचेल स्टार्क ने भी इस मामले पर अपने पुराने बयान को ही दोहराया है, जिसमें ख्वाजा के दावों से सहमति नहीं जताई गई है।

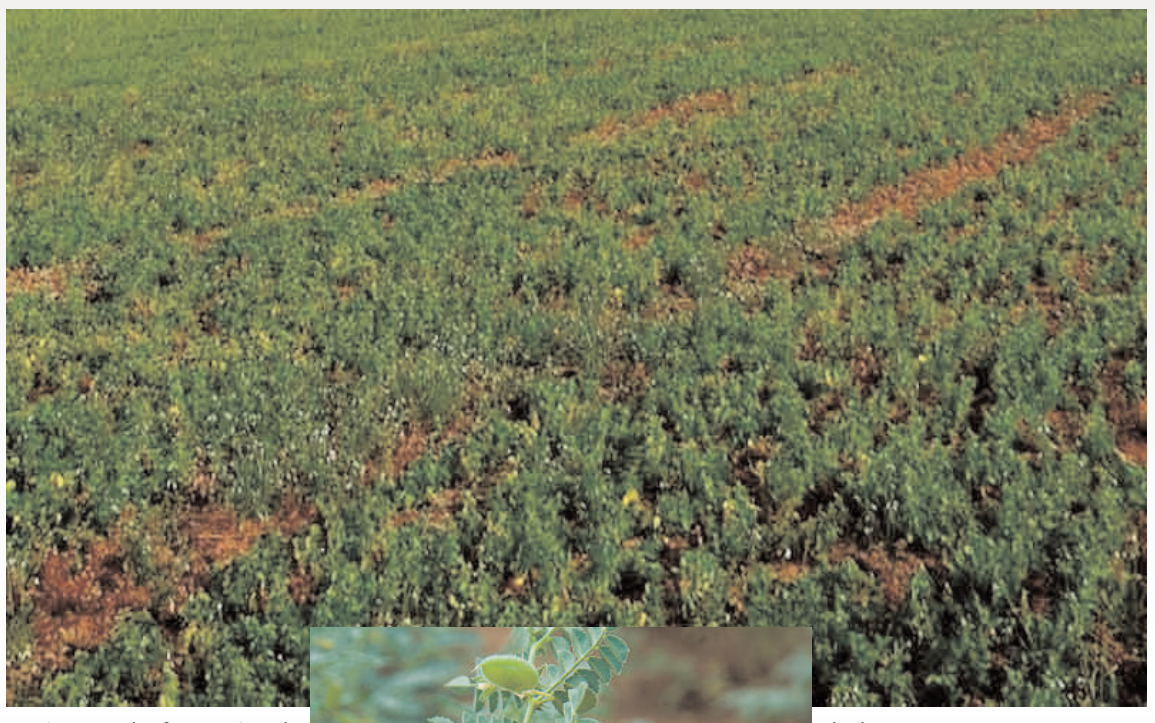
इन सबके बीच उस विवाद का सबसे बड़ा चेहरा रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में छपे 4,497 शब्दों के एक लेख में कहा है कि यह झूठ है कि कमिंस और टीम को सैंडपेपरगेट मामले की जानकारी नहीं थी। बैनक्रॉफ्ट का बयान आने के बाद कमिंस की मुश्किल बढ़ गई है। उन पर कप्तानी छोड़ने का दबाव बढ़ गया है।

2018 में हुई इस घटना में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट को आरोपी मानकर सजा दी गई थी। स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर 12-12 महीने, जबकि बैनक्रॉफ्ट पर 9 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती,

कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार





किसान चने की इन 3 किस्मों की करें खेती, कम लागत और समय में मिलेगी बंपर पैदावार; जानिए खासियत और लाभ – रबी फसलों की बुवाई का सीजन चल रहा है। इस सीजन में किसान मुख्य तौर पर चना, गेहूं और सोयाबीन की फसल बोते हैं। ऐसे में अन्नदाताओं को अच्छी किस्म के बीजों की आवश्यकता होती है ताकि वह अच्छी पैदावार लें सके। हालांकि, बाजार में रबी फसलों की बहुत सी अधिक उत्पादन देने वाली किस्में हैं मौजूद है लेकिन इनकी जानकारी हर किसान को नहीं होती है। ऐसे में यहां हम आपको चने की अधिक उत्पादन देने वाली टॉप 3 किस्मों की जानकारी देंगे, ताकि आप कम लागत और समय में बढ़िया मुनाफा कमा सकें। आइए जानें किस्नों की खासियत और लाभ।किसान क्रेडिट कार्ड

1. बिदिशा (बीजी 1084) डब्ल्यूबीजी 29 — पश्चिम बंगाल के किसानों के लिए वरदान
   - » रिलीज वर्ष: 2015 (एसवीआरसी)
   - » उद्गम केंद्र : बेरहामपुर, पश्चिम बंगाल
   - » औसत उपज : लगभग 25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - » परिपक्वता अवधि : 131 दिन
   - » उपयुक्त क्षेत्र : पश्चिम बंगाल
   - » विशेष लक्षण : पछेती बुवाई की स्थिति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन
   - » मुख्य विशेषता: छोटे बीजों वाली मध्यम परिपक्व देसी किस्म (12–14 ग्राम प्रति 100 बीज)

   यह किस्म देरी से बोई जाने वाली फसलों के लिए उपयुक्त है और उपज के मामले में अन्य देसी किस्मों से काफी बेहतर मानी जाती है।
2. बीडीएनजीके 798 — महाराष्ट्र के किसानों के लिए उपयुक्त काबुली किस्म

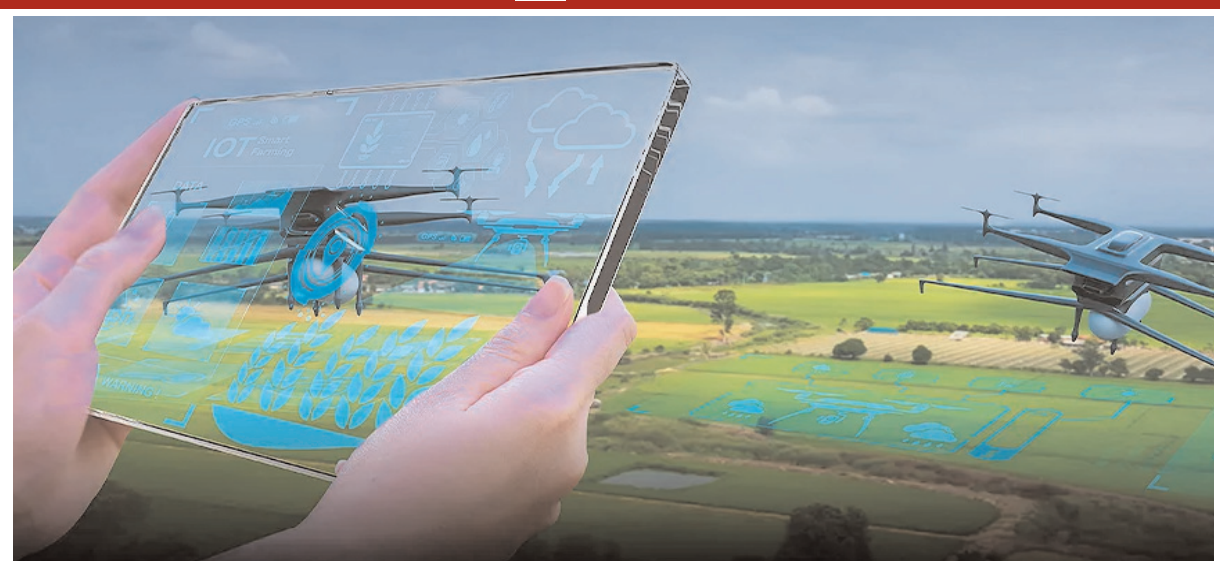
बीज उर्वरक

- » रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
- » उद्गम केंद्र : एआरएस, जालना
- » औसत उपज : 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
- » परिपक्वता अवधि : 120–135 दिन
- » उपयुक्त क्षेत्र : महाराष्ट्र
- » विशेष लक्षण : सिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त
- » मुख्य विशेषता: सफेद दानों वाली काबुली किस्म (29 ग्राम प्रति 100 बीज), मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति मध्यम प्रतिरोधी

यह किस्म न केवल दाने के आकार और रंग के कारण बाजार में लोकप्रिय है, बल्कि इसकी रोग सहनशीलता और उपज क्षमता भी किसानों को अच्छा मुनाफा दिला सकती है।

3. गुजरात जूनागढ़ ग्राम 6 (जीजेजी 6) — उच्च उपज और रोग प्रतिरोधक किस्म
   - » रिलीज वर्ष: 2016 (एसवीआरसी)
   - » उद्गम केंद्र : जूनागढ़
   - » औसत उपज : 16–18 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
   - » परिपक्वता अवधि : 120–130 दिन
   - » उपयुक्त क्षेत्र : गुजरात
   - » विशेष लक्षण : सामान्य बुवाई के लिए उपयुक्त
   - » मुख्य विशेषता: मुरझान और स्टंट रोगों के प्रति सहिष्णु

गुजरात के किसानों के बीच यह किस्म लोकप्रिय हो रही है क्योंकि यह सामान्य बुवाई में भी बेहतर पैदावार देती है और बीमारियों से सुरक्षित रहती है।



भारत में खेती को बदल रहीं ये आधुनिक तकनीक

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया गया है कि कैसे सात आधुनिक टेक्नोलॉजी कृषि क्षेत्र में बदलाव ला रही हैं। खास बात यह है कि इन बदलावों के लिए फोरम ने अपनी रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया है।

भारत की केस स्टडी का रिपोर्ट में हवाला

तकनीक से कृषि में बढ़ेगी उत्पादकता

Agriculture News: वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (WEF) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि जनरेटिव एआई, रोबोटिक्स और उपग्रह–आधारित रिमोट सेंसिंग सहित सात उभरती टेक्नोलॉजी कृषि में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार हैं। इन सात उभरती टेक्नोलॉजी में कंप्यूटर विजन, एज इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), CRISPR (क्लस्टर्ड रेगुलरली इंटरस्पेस्ड शॉर्ट पैलिंड्रोमिक रिपीट्स) और नैनो टेक्नोलॉजी भी शामिल हैं। ये ग्रामीण आजीविका को सुरक्षित करते हुए लचीलापन और उत्पादकता को बढ़ावा देंगी। रोचक बात यह है कि इस रिपोर्ट में भारत की कई केस स्टडी का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट का शीर्षक 'कृषि में गहन–तकनीकी क्रांति को आकार देना' है। इसे उद्योग और शिक्षा जगत, दोनों के हितधारकों के सहयोग से विकसित किया गया है। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब कृषि क्षेत्र वैश्विक स्तर पर संकटों के दौर से गुजर रहा है।

प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण से आजीविका को खतरा

गांवों से शहरों की ओर बढ़ता पलायन, जलवायु परिवर्तन की तीव्रता और प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर मिट्टी और जल का तेजी से क्षरण उत्पादकता को खतरे में डाल रहे हैं। इससे कृषि पर निर्भर आजीविका के लिए भी खतरा बढ़ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (स्नह) के अनुसार वर्ष 2050 तक बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए दुनिया को काफी अधिक खाद्यान्न उत्पादन करने की आवश्यकता होगी। यह लक्ष्य बढ़ते दबावों को देखते हुए हासिल करना होगा, क्योंकि दुनिया की एक–तिहाई मिट्टी का क्षरण हो चुका है, 71 प्रतिशत एक्वीफर समाप्त हो चुके हैं और औसत किसान की उम्र लगभग 60 वर्ष हो रही है।

टेक्नोलॉजी में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता

विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने कहा कि इन सात तकनीकी क्षेत्रों में फसलों की खेती, निगरानी, संरक्षण और वितरण के तरीकों में मूलभूत बदलाव लाने की क्षमता है, जिससे पूरे कृषि क्षेत्र में उत्पादकता, स्थिरता और लचीलेपन में सुधार होगा। रिपोर्ट में ऑटोनोमस स्वार्म रोबोटिक्स, प्रिसिजन कृषि प्रबंधन, एजेंटिक एआई सिस्टम और कार्बन रिपोर्टिंग जैसे उच्च–प्रभावी उपयोग के मामलों के लिए इन टेक्नोलॉजी की क्षमता पर भी प्रकाश डाला गया है।

सरकारों से तालमेल बनाए रखने का आग्रह

इसमें कई उदाहरण भी दिए गए हैं। मसलन, जलवायु–अनुकूल चावल की किस्में जो 20 प्रतिशत कम उत्सर्जन करती हैं, गन्ने में प्रिसिजन खेती जिससे पैदावार में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुईहै, और सप्लाई चेन जोखिमों का पूर्वानुमान लगाने और कार्बन वित्त पोषण को बढ़ावा देने के लिए रिमोट सेंसिंग के उपयोग को प्रदर्शित किया गया है।

WEF ने गहन तकनीकी इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान किया है जो कृषि प्रणालियों की समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं। साथ ही इसने सरकारों से तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए चुस्त नीतियों और नियामक सैंडबॉक्स को अपनाने का आग्रह किया है।

कृषि पहल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

यह रिपोर्ट विश्व आर्थिक मंच की कृषि पहल के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI4AI) की तरफ से जारी की गई है। वर्ष 2021 से AI4AI पहल ने भारत में 895,000 से अधिक किसानों को डिजिटल तकनीक प्रदान की है। AI4AI ने कृषि में टेक्नोलॉजी के परिवर्तनकारी प्रभाव को दिखाने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और नागरिक समाज सहित बहु–हितधारक साझेदारियों को बढ़ावा दिया है। भारत में सीखे गए सबक के आधार पर AI4AI ने सऊदी अरब, कोलंबिया और ब्राजील में भी इसी तरह की पहल की अवधारणा का समर्थन किया है। WEF ने कहा कि अनियमित वर्षा और बढ़ते तापमान के कारण कई बागवानी फसलों को लगभग 65 प्रतिशत का नुकसान हुआ है।

भारत की केस स्टडी का हवाला

रिपोर्ट में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा देश में जलवायु–अनुकूल चावल विकसित करने की एक केस स्टडी का हवाला दिया गया है। फसल–सुधार की पारंपरिक विधियों में प्रजनन चक्र लंबा होता है और प्रिसिजन सीमित होता है। इससे उभरते जलवायु और रोग संकट के दबावों से निपटने के लिए किस्मों का विकास धीमा हो जाता है।

इस समस्या से निपटने के लिए ICAR के शोधकर्ताओं ने CRISPR–आधारित जीनोम संपादन का उपयोग करके चावल की दो किस्में विकसित कीं। पहली, DRR 100 ने सूखे, लवणता और जलवायु के दबावों के प्रति सहनशीलता में सुधार किया है। ICAR का दावा है कि इससे उपज में 19 प्रतिशत की वृद्धि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 20 प्रतिशत की कमी हो सकती है। दूसरी किस्म, पूसा डीएसटी चावल 1 लवणीय और क्षारीय मिट्टी में यील्ड में 9.66 से 30.4 प्रतिशत तक की वृद्धि कर सकती है।

तिलहन की खेती



परिचय

भारत में तिल की खेती पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश एवम उत्तर प्रदेश में की जाती हैढ्ढ भारत के कुल उत्पादन 20 प्रतिशत उत्पादन अकेले गुजरात से होता हैढ्ढ उत्तर प्रदेश में तिल की खेती मुख्यत: बुंदेलखंड के राकर भूमि में तथा मिर्जापुर, सोनभद्र, कानपुर, इलाहाबाद, फतेहपुर, आगरा एवम मैनपुरी में शुद्ध एवम मिश्रित रूप से की जाती हैढ्ढ तिल की उत्पादकता बहुत ही कम है सघन पद्धतियाँ अपनाकर उत्पादन बढाया जा सकता हैढ्ढ

जलवायु

तिल की खेती के लिए किस प्रकार की जलवायु अ ो र भूमि की आवश्यकता पड़ती है

तिल के लिए शीतोषण जलवायु उपयुक्त होती है मुख्यत : बरसात या खरीफ में इसकी खेती की जाती है यह बहुत ही ज्यादा बरसात या सूखा पड़ने पर फसल अच्छी नहीं होती हैढ्ढ इसके लिए हल्की भूमि तथा दोमट भूमि अच्छी होती हैढ्ढ यह फसल पी एच 5.5 से 8.2 तक की भूमि में उगाई जा सकती हैढ्ढ फिर भी यह फसल बलुई दोमट से काली मिट्टी में भी उगाई जाती हैढ्ढ

प्रजातियां

तिल की जो उन्नतशील प्रजातियाँ है उनके बारे में जाने किसान भाईयो को बताईये उन उन्नतशील प्रजातियों के बारे में

तिल की कई प्रजातियाँ पाई जाती है जैसे की टाईप 4, टाईप12, टाईप13, टाईप78, शेखर, प्रगति, तरुण, कृष्णा, एवम बी.63 प्रजातियाँ हैढ्ढ

भूमि की तैयारी

फसल की तैयारी के लिए अपने खेतों की तैयारी किस प्रकार करनी चाहिए

खेत की तैयारी के लिए पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा दो–तीन जुताई कल्टीवेटर या देशी हल से करके खेत में पाटा लगाकर भुरभुरा बना लेना चाहिएढ्ढ इसके पश्चात ही बुवाई करनी चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद को आख़िरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ

बीज और बुआई

तिल की फसल में बीज की मात्रा प्रति हेक्टेयर कितनी लगती है और बीज का शोधन हमारे किसान भाई किस प्रकार करे

एक हेक्टेयर क्षेत्र के लिए तीन से चार किलोग्राम बीज पर्याप्त होता हैढ्ढ बीज जनित रोगों से बचाव के लिए 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टान प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधन करना चाहिएढ्ढ

तिल की बुवाई किस समय और किस विधि द्वारा करनी चाहिए

तिल की बुवाई का उचित समय जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई का दूसरा पखवारा माना जाता हैढ्ढ तिल की बुवाई हल के पीछे लाइन से लाइन 30 से 45 सेंटीमीटर की दूरी पर बीज को कम गहराई पर करते हैढ्ढ

पोषण प्रबंधन

फसल में खाद एवम उर्वरको का प्रयोग कब करना चाहिए और कितनी मात्रा में करना चाहिए

उर्वरको का प्रयोग भूमि परीक्षण के आधार पर करना चाहिएढ्ढ 80 से 100 कुंतल सड़ी गोबर की खाद खेत तैयारी करते समय आख़िरी जुताई में मिला देना चाहिएढ्ढ इसके साथ ही साथ 30 किलोग्राम नत्रजन, 15 किलोग्राम फास्फोरस तथा 25 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ रकार तथा भूड भूमि में 15 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस,पोटाश एवम गंधक की पूरी मात्रा बुवाई के समय बेसल ड्रेसिंग में तथा नत्रजन की आधी मात्रा प्रथम निराई–गुडाई के समय खड़ी फसल में देना चाहिएढ्ढ

सिंचाई प्रबंधन

सिंचाई प्रबंधन तिल की फसल में कब होना चाहिए किस प्रकार होना चाहिए इस बारे में बताईये

वर्षा ऋतू की फसल होने के कारण सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ फसल में 50 से 60 प्रतिशत फलत होने पर एक सिंचाई करना आवश्यक हैढ्ढ यदि पानी न बरसे तो सिंचाई करना आवश्यक होता हैढ्ढ

निराई–गुडाई

तिल की फसल में निराई–गुडाई कब करनी चाहिए और खरपतवारों के नियंत्रण हेतु क्या उपाय करने चाहिए

किसान भाईयो प्रथम निराई–गुडाई बुवाई के 15 से 20 दिन बाद दूसरी 30 से 35 दिन बाद करनी चाहिएढ्ढ निराई–गुडाई करते समय थिनिंग या विरलीकरण करके पौधों के आपस की दूरी 10 से 12 सेंटीमीटर कर देनी चाहिएढ्ढ खरपतवार नियंत्रण हेतु एलाक्लोर50 ई.सी. 1.25 लीटर प्रति हेक्टेयर बुवाई के बाद दो–तीन दिन के अन्दर प्रयोग करना चाहिएढ्ढ

रोगों पर नियंत्रण

रोगों पर नियंत्रण हमें कैसे करना चाहिए इस पर जानकारी दे रहे है

इसमे तिल की फिलोड़ी अवम फाईटोप्थोरा झुलसा रोग लगते हैढ्ढ फिलोड़ी की रोकथाम के लिए बुवाई के समय कूंड में 10जी. 15 किलोग्राम या मिथायल–ओ–डिमेटान 25 ई.सी 1 लीटर की दर से प्रयोग करना चाहिए तथा फाईटोप्थोरा झुलसा की रोकथाम हेतु 3 किलोग्राम कापर आक्सीक्लोराइड या मैन्कोजेब 2.5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकतानुसार दो–तीन बार छिड़काव करना चाहिएढ्ढ

कीट प्रबंधन

कौन–कौन से कीट तिल की फसल में लग सकते है और उनका नियंत्रण हमें किस प्रकार करना चाहिए

तिल में पत्ती लपेटक अवम फली बेधक कीट लगते हैढ्ढ इन कीटों की रोकथाम के लिए क्यूनालफास 25 ई.सी. 1.25 लीटर या मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से छिड़काव करना चाहिएढ्ढ

कटाई एवं मड़ाई

तिल की फसल की कटाई एवम मड़ाई का सही समय क्या है कब करनी चाहिए

तिल की पत्तियां जब पीली होकर गिरने लगे तथा पत्तियां हरा रंग लिए हुए पीली हो जावे तब समझना चाहिए की फसल पककर तैयार हो गयी हैढ्ढ इसके पश्चात कटाई पेड़ सहित नीचे से करनी चाहिएढ्ढ कटाई के बाद बण्डल बनाकर खेत में ही जगह जगह पर छोटे–छोटे ढेर में खड़े कर देना चाहिएढ्ढ जब अच्छी तरह से पौधे सूख जावे तब डंडे छड आदि की सहायता से पौधों को पीटकर या हल्का झाड़कर बीज निकाल लेना चाहिएढ्ढ

पैदावार

तिल की फसल से लगभग प्रति हेक्टेयर कितनी पैदावार हमें प्राप्त हो जाती है

तकनीकी तरीको से खेती करने पर तिल की पैदावार 7 से 8 कुन्तल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होती हैढ्ढ

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी पर खरगे का आरोप...

अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ना ठहराएं

-आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हाल ही में एफआईसीसीआई शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर तीखा पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार पर अर्थव्यवस्था, महंगाई और रोजगार को लेकर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेता खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि ऐसा लगा मानो प्रधानमंत्री विपक्ष के नेता हों और वे 12 साल बाद नींद से जागे हो।

अपनी पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने दावा किया कि आर्थिक उदारीकरण की जननी कांग्रेस है और देश में सबसे अधिक दशक-औसत विकास दर कांग्रेस-यूपीए (यूपीए) के कार्यकाल के दौरान दर्ज हुई थी। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर अपनी विफलताओं के लिए कारोबारी समुदाय को जिम्मेदार ठहराने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सभी के लिए समान मौके की वकालत की है और बार-बार चेतावनी भी दी थी, लेकिन मोदी सरकार ने देश के सभी संसाधन अपने 1-2 करीबी पूंजीपति मित्रों को सौंप दिए और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों) तथा छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ दी।

भारतीय उत्पादों की ब्रैंड वैल्यू पर चिंता जताकर कांग्रेस नेता खरगे ने लिखा कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की कमी ने इनोवेशन को दबाया, विनिर्माण की गुणवत्ता को प्रभावित किया और भारतीय उत्पादों की विश्वसनीयता तथा वैश्विक ब्रांड वैल्यू को कमजोर कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज, न नौकरियां हैं, न ही बचत, और महंगाई अपने चरम पर है। कांग्रेस नेता खरगे ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) को बंद कर दिया गया है, और मेक इन इंडिया को बाय फ्रॉम चाइना में बदल दिया गया है। उन्होंने भाजपा पर पूंजीपतियों के एक चुनिंदा समूह को भारतीय अर्थव्यवस्था पर संरचनात्मक नियंत्रण हासिल करने की छूट देने का गंभीर आरोप लगाया, इस काम को वे एक आर्थिक आपदा मानते हैं।

दूसरी ओर, एफआईसीसीआई के शताब्दी सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 12 सालों की उपलब्धियां गिनाई थीं। उन्होंने कहा था कि बीते 100 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने लाइसेंस-कोटा राज, राष्ट्रीयकरण के विफल प्रयोग और



21वीं सदी में कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं में गिने जाने जैसे कई दौर देख चुके हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने जोर दिया कि बीते 12 वर्षों में हमारे युवाओं, किसानों, श्रमिकों और उद्योग जगत के नेताओं ने इस स्थिति को बदलने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूती हासिल की है।

कावेरी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़ने की तमिलनाडु की मांग खारिज

- -सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से किया इनकार, फसल प्रभावित होने का दिया गया था हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी नदी से कर्नाटक द्वारा तमिलनाडु के लिए 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी है। तमिलनाडु सरकार ने अदालत से कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने की मांग की थी। राज्य सरकार का कहना था कि पानी की कमी के कारण किसानों को परेशानी हो रही है और फसलें प्रभावित हो रही हैं। तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में राज्य में पानी की मौजूदा कमी का हवाला देते हुए कर्नाटक से अतिरिक्त पानी उपलब्ध कराने की मांग की थी। सरकार का कहना था कि पर्याप्त पानी नहीं मिलने से कृषि गतिविधियों पर असर पड़ रहा है और किसानों के सामने मुश्किलें पैदा हो रही हैं। तमिलनाडु की ओर से कावेरी नदी से 11 टीएमसी अतिरिक्त पानी छोड़े जाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक को अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश देने से इनकार कर दिया और तमिलनाडु की मांग खारिज कर दी। कावेरी जल बंटवारा कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच लंबे समय से संवेदनशील मुद्दा रहा है। मौजूदा मामले में भी तमिलनाडु ने पानी की कमी और किसानों की परेशानी को आधार बनाकर अतिरिक्त जल छोड़ने की मांग की थी, लेकिन अदालत से राहत नहीं मिली।

किरण बेदी को सरकार ने बनाया राष्ट्रीय मेंटर, प्रतिष्ठित हस्तियों का करेंगी मार्गदर्शन



नई दिल्ली , एजेंसी। देश की पहली महिला आईपीएस अधिकारी और पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल डॉ किरण बेदी को सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद यानी एनसीटीई ने राष्ट्रीय मेंटर के रूप में शामिल किया है। किरण बेदी ने इससे पहले भी शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान दिया है। किरण बेदी को यह जिम्मेदारी शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की मेंटरिंग इनिशिएटिव फॉर टीचिंग, रिसर्च एंड असेसमेंट (मित्रा) पहल के तहत सौंपी गई है। इसका उद्देश्य देशभर के शिक्षकों को अनुभवी शिक्षाविदों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिष्ठित हस्तियों का मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। जानकारी के मुताबिक इसके जरिए ऑनलाइन संवाद के जरिए शिक्षकों को व्यक्तिगत मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि उनके शिक्षण कौशल, व्यावसायिक दक्षता और विद्यार्थियों को सिखाने के परिणामों में सुधार किया जा सके। इस पहल से जुड़ने पर किरण बेदी ने कहा कि यह सेवानिवृत्त अधिकारियों, अनुभवी पेशेवरों और वरिष्ठ शिक्षाविदों के लिए अपने अनुभव और ज्ञान के जरिए समाज को योगदान देने का विश्वसनीय मंच है। उन्होंने शिक्षकों को केंद्र में रखकर तैयार की गई इस पहल की सराहना भी की है।

तेज हवाओं में एक तरफ झुक गया, पायलट ने स्विटरलैंड एयरपोर्ट पर कराई सुरक्षित लैंडिंग

- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, कतर का सरकारी प्रतिनिधिमंडल था सवार

नई दिल्ली, एजेंसी। स्विटजरलैंड के बर्न एयरपोर्ट पर एक जेट विमान की लैंडिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान लैंडिंग के लिए आगे बढ़ रहा है और वह तेज हवाओं से जूझ रहा है। ये तेज हवाएं विमान को झकझोर देती हैं। इस वीडियो में विमान के सुरक्षित उतरने से ठीक पहले का वह खतरनाक पल दिखाई देता है, जिसमें विमान लैंडिंग के अंतिम चरण में खराब मौसम से गुजर रहा है। ये हवाएं इतनी तेज थीं कि विमान डगमगा गया और एक तरफ झुक गया। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि ये विमान कतर के सरकारी प्रतिनिधिमंडल को लेकर आया था। विमान तेज क्रॉसविंड के बीच लैंडिंग करता नजर आया। 35 नॉट तक की तेज हवाओं के कारण विमान हवा में झुका लेकिन पायलट ने बड़ी सूझबूझ से सुरक्षित लैंडिंग कराई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसे एविएशन फोटोग्राफर मैथियास हैनी ने कैमरे में कैद किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान पहाड़ों के बीच से गुजर रहा है और 65 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल रही हैं।

खाटू श्याम मंदिर के पास रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, गैस सिलेंडरों में हुए धमाके

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम मंदिर के एग्जिट गेट के पास एक रेस्टोरेंट में आग लग गई है। ये हादसा ऐसे समय में हुआ जब खाटूश्याम के जन्मोत्सव के लिए भारी मात्रा में भीड़ जमा हुई थी। आग लगते ही भक्तों में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका है कि आतिशबाजी की वजह से रेस्टोरेंट में आग लगी हो। दरअसल बाबा खाटूश्याम के जन्मदिन से पहले इलाके में आतिशबाजी पर बैन लगा दिया गया था लेकिन बताया जा रहा है कि बैन के बावजूद लोगों ने खूब पटाखे फोड़े और इधर उधर फेंके। ऐसे में आग लगने का एक कारण आतिशबाजी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आग तुरंत पूरे रेस्टोरेंट में फैल गई जिसकी लपटें काफी दूर से ही देखी जा सकती थीं। आग फैलने के बाद अंदर रखे दो दर्जन से ज्यादा गैस सिलेंडरों में से चार में धमाके हुए। घटना की सूचना मिलते ही लोग और व्यापारी मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने की कोशिशें की।

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में केसीपी से जुड़ा एक उग्रवादी ढेर, कई गिरफ्तार

- मणिपुर की जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 की जा चुकी है जान

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के इंफाल वेस्ट जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों ने एनकाउंटर में एक उग्रवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बल पटसोई पुलिस स्टेशन इलाके के अंतर्गत युरेम्बाम में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी गोलीबारी शुरू हो गई। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में एक उग्रवादी मारा गया। एक अधिकारी ने बताया कि फायरिंग में प्रतिबंधित संगठन कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी के गुट से जुड़ा एक उग्रवादी मारा गया। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठन के कई उग्रवादियों को अरेस्ट भी किया है। ऐसे तत्वों के खिलाफ लंबे समय से कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले हाल में दिल्ली में प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी का वांटेड उग्रवादी पकड़ा गया था। बाद में उसे मणिपुर पुलिस को सौंप दिया गया था। बता दें मणिपुर के संवेदनशील क्षेत्रों में मई, 2023 में घाटी में रहने वाले मैती और पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। मणिपुर की इस जातीय हिंसा में अब तक कम से कम 306 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 49 लोग अब भी लापता हैं। हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ-ईस्ट के मणिपुर में रहने वाले मैतेई जोकि गैर-जनजातीय बहुसंख्यक समुदाय है और मुख्य रूप से इंफाल घाटी में रहता है, के साथ कुकी जोकि अनुसूचित जनजाति समुदाय और प्रमुख रूप से पहाड़ी क्षेत्रों में बसा है, के बीच जमीन पर अधिकार, रिजर्वेशन और पहचान से जुड़ा जातीय संघर्ष है। यह मई 2023 में बड़े पैमाने पर हिंसा में बदल गया था। मैतेई समुदाय के लोग लंबे वक्त से खुद को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन कुकी समुदाय के लोग इसका विरोध करते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इससे सरकारी नौकरियों, रिजर्वेशन और संसाधनों में उसका भाग प्रभावित हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला: साइबर धोखाधड़ी में आरोपी तय नहीं कर सकता एफआईआर का स्थान

नई दिल्ली , एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाकर स्पष्ट किया कि साइबर धोखाधड़ी जैसे संगठित अपराधों के मामलों में कोई भी आरोपी यह तय नहीं कर सकता कि पीड़ित उसके खिलाफ किस स्थान पर प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराएं। शीर्ष अदालत ने वर्चुअल क्लाउड स्पेस की बिक्री से जुड़े कथित निवेश धोखाधड़ी मामले में आरोपी भूमि पटेल द्वारा विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की मांग वाली याचिका को खारिज किया। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने गुजरात के गांधीनगर और हरियाणा के फरीदाबाद में दर्ज



आपराधिक मामलों को एक साथ नत्थी करने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने तर्क दिया कि जांच में समानताएं होने को आरोपी को लाभ पहुंचाने का आधार नहीं बनाया जा सकता। न्यायमूर्ति बागची ने सुनवाई के दौरान कहा कि कोई आरोपी विभिन्न राज्यों की पुलिस को उनके अधिकार क्षेत्र में आने वाले कथित अपराधों की जांच करने से नहीं रोक सकता।

शीर्ष अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि संगठित साइबर अपराधों से निपटने के मामलों में कानून को यथासंभव सख्ती से लागू होना चाहिए। पीठ ने आरोपी को किसी भी तरह की रियायत देने के पक्ष में न होने की बात स्पष्ट कर कहा, कोई रियायत नहीं। याचिकाकर्ता भूमि उत्पलभाई पटेल ने आत्मसमर्पण कर दिया था और वह पांच महीने से अधिक समय से अहमदाबाद केंद्रीय जेल में न्यायिक हिरासत में है। यह फैसला साइबर अपराधियों पर लगाम लगाने और पीड़ितों को न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक मजबूत संदेश है।

हाईवे से अतिक्रमण हटाने के नाम पर मनमानी तोड़फोड़ नहीं कर सकते: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के मामले में महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हाईवे के किनारे अतिक्रमण हटाने को लेकर उसके पुराने आदेश को मनमानी तोड़फोड़ का आधार नहीं बनाया जा सकता।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने प्रभावित संपत्ति मालिकों को संबंधित हाई कोर्ट में याचिका दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संबंधित राज्यों के हाईकोर्ट संपत्तियों के स्वामित्व और अतिक्रमण की वैधता की स्वतंत्र रूप से जांच करेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे अवैध निर्माण हटाने के लिए पहले दिए गए निर्देशों का अर्थ यह नहीं है कि प्रशासन बिना उचित प्रक्रिया के किसी संपत्ति को तोड़ सकता है। संपत्ति मालिकों को अपनी आपत्ति और दावों को संबंधित हाईकोर्ट के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। पीठ ने संबंधित हाईकोर्ट को संपत्तियों के स्वामित्व और यह निर्धारित करने की जिम्मेदारी दी कि संबंधित निर्माण वास्तव में वैध है या अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने हाईवे से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई और संपत्ति मालिकों के अधिकारों के बीच संतुलन पर जोर दिया है।

गिरगिट रंग बदल सकता है, आदत नहीं, अखिलेश को खुद नहीं पता वह क्या चाहते हैं

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या रैली में सपा पर साधा निशाना

अयोध्या , एजेंसी। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने अयोध्या की रैली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि वह अखिलेश यादव का सम्मान करते हैं, लेकिन उन्हें खुद नहीं पता कि वह करना क्या चाहते हैं। आकाश ने सपा के पीडीए फॉर्मूले पर तंज कसते हुए कहा कि कल तक पीडीए में पी का मतलब पिछड़ा था, लेकिन ब्राह्मण समाज के बसपा से जुड़ने के बाद रातोंरात पी का मतलब पंडित हो गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आते-आते पी का मतलब फिर बदल जाएगा और डी-ए घबराए बैठे हैं कि कहीं उनका नंबर न लग जाए। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा सीट से आकाश आनंद ने जितेन्द्र सिंह बबलू को बसपा का उम्मीदवार घोषित किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आकाश आनंद ने आगरा में हुए सपा के दलित सम्मेलन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक दिन के सम्मेलन से पूरी सपा दलितों की पार्टी बन गई, लेकिन गिरगिट रंग तो बदल सकता है, अपनी आदत नहीं। उन्होंने सपा के थिंक टैंक रामगोपाल यादव पर तंज कसते हुए कहा कि वे जिस भीड़ को सम्मान देने पहुंचे थे, उसी पर बरस पड़े और गुस्से में उन्हें ही मूरख कह दिया। आकाश ने अयोध्या के सोहावल में जनसभा को संबोधित करते हुए पेपर लीक और बेरोजगारी के मुद्दे पर योगी सरकार को भी घेरा। आकाश ने कहा कि पिछले 10 साल में 10 से ज्यादा भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। हमारा बच्चा सालभर पढ़ाई करता है, लेकिन परीक्षा से पहले ही पेपर बाजार में पहुंच जाता है। इस प्रदेश में अगर कोई चीज समय से पहले पहुंचती है तो वह लीक हुआ पेपर। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए आकाश आनंद ने कहा कि वह जो आंकड़े जनता के सामने रख रहे हैं, वे एनसीआरबी के सरकारी आंकड़े हैं। उन्होंने दावा किया कि हत्याओं के मामले में यूपी पूरे देश में नंबर वन है और हर साल 3 हजार से ज्यादा हत्याएं होती हैं। महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में भी प्रदेश नंबर वन है, जहां हर साल 65 हजार से ज्यादा मामले सामने आते हैं।

आकाश ने अयोध्या की रैली में कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए डॉ. भीमराव आंबेडकर का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस आंबेडकर की तस्वीर हाथ में



लेकर घूमती है, लेकिन उनका इतिहास छिपाती है। आजादी के बाद लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने आरक्षण को किताबों तक सीमित रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की वजह से आंबेडकर को मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले वोट के लिए आंबेडकर को गले लगाती थी और सत्ता मिलने के बाद किनारे कर देती थी। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए कहा कि राज्य देखकर कांग्रेस की हमदर्दी बदल जाती है।

माफिया के बाद अब नशे के सौदागरों को करेंगे तबाह: योगी

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माफिया और संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई के बाद अब प्रदेश सरकार नशे के सौदागरों को तबाह करेगी। इसके लिए निर्णायक अभियान शुरू होगा। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और अपनी ऊर्जा शिक्षा, कौशल व रोजगार पर लगाने का आह्वान किया। सपा के जुलूस के मसूम की हत्या का जिक्र करते हुए चेतावनी दी कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले सपा के गुंडों को कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर और महराजगंज के 50 हजार से अधिक छात्र-छात्राओं व प्रशिक्षणार्थियों को टैबलेट वितरण की शुरुआत की। 23 विद्यार्थियों को उन्होंने स्वयं टैबलेट दिए। मुख्यमंत्री ने दो दिन पहले गोरखपुर में सपा के जुलूस के दौरान दसवीं के छात्र की मौत का जिक्र करते हुए घटना को



प्रदेश की पहचान पर काला धब्बा बताया। उन्होंने कहा कि अपनी छोटी बहन को स्कूल से लेने जा रहा छात्र चौरी-चौरा के क्रांतिकारी पूजन सिंह का प्रपौत्र था। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय बिलों से निकलकर अराजकता फैलाने वाले तत्वों को पूरी तरह कुचल दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एंप्लॉयमेंट जोन बनाया जाएगा। यहां जापानी और जर्मन भाषा समेत विभिन्न कौशल का प्रशिक्षण देकर युवाओं को देश-विदेश की कंपनियों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में नौकरियों की कोई कमी नहीं है। सरकार पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। 8 हजार लेखपाल, 32 हजार पुलिसकर्मी और 42 हजार से अधिक होमगार्ड की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब 26 जनवरी तक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले भर्ती परीक्षाओं में 'मुन्ना भाई' और 'सैफई सिंडिकेट' का बोलबाला था, लेकिन अब टैलेंट के आधार पर तेजी से नियुक्तियां हो रही हैं।

सीएम योगी ने कहा कि युवा फीड नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल करें। रील देखने में 30 सेकंड लगाने के बजाय स्किलिंग पर तीन घंटे दें। सोशल मीडिया पर मिलने वाली सूचनाओं का फैक्ट चेक करने और डिजिटल सुरक्षा का भी ध्यान रखें। उन्होंने बताया कि योजना के पहले चरण में 60 लाख युवाओं को टैबलेट व स्मार्टफोन दिए गए, जबकि दूसरे चरण में 25 लाख टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से जनगणना-2027 की स्वगणना और मतदाता सूची पुनरीक्षण में भी डिजिटल माध्यम से भागीदारी की अपील की।

मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध पर विचार कर रहा बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई , एजेंसी । दिवाली के दौरान शहर में 300 से अधिक आग लगने की घटनाओं और ध्वनि व वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि को चिंताजनक बताकर बॉम्बे हाईकोर्ट मुंबई में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रही है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने कहा कि यदि नागरिक असंवेदनशील बने रहते हैं और उनमें नागरिक बोध की कमी रहती है, तब पीठ केवल निर्धारित स्थानों पर सामुदायिक रूप से पटाखे फोड़ने की अनुमति देगी। अदालत ने स्पष्ट किया कि शहर को इस जहरीले वातावरण से मुक्त करने और रहने के लिए अधिक अनुकूल बनाने का यही एकमात्र समाधान होगा। पीठ ने कहा, दूसरों का स्वास्थ्य हमारी मुख्य चिंता है। अदालत ने अगस्त से ही सार्वजनिक सड़कों पर पटाखे फोड़ने पर रोक लगाई थी, लेकिन दिवाली के दौरान आग की घटनाओं और रात तीन बजे तक अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण के मद्देनजर ऐसा प्रतीत होता है कि लोगों ने अपनी मानसिकता न बदलने का ठान लिया है।

पंजाब की सियासत में उलटफेर, आप, कांग्रेस और अकाली दल के नेता बीजेपी में शामिल

प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने सभी नेताओं का औपचारिक रूप से स्वागत किया

अमृतसर, एजेंसी । पंजाब की सियासत में चुनाव से पहले एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी, शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के कई कद्दावर नेताओं ने अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ बीजेपी का दामन थाम लिया। यह घटना लुधियाना, मोगा और संगरूर जिलों में विपक्षी दलों के लिए एक बड़ा झटका मानी जा रही है। चंडीगढ़ में पंजाब बीजेपी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी और पंजाब बीजेपी अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो ने इन नेताओं का औपचारिक रूप से पार्टी में स्वागत किया।

बीजेपी में शामिल होने वालों में मोगा के आप नेता और प्रवक्ता नवदीप सिंह संघा प्रमुख थे। रायकोट से वरिष्ठ अकाली नेता सुरिंदर सिंह चौहान भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। संगरूर जिले के लेहरागागा निर्वाचन क्षेत्र के युवा नेता हार्दिक नैन ने भी बीजेपी का दामन थामा। हार्दिक नैन 2015 में पंजाब यूनिवर्सिटी एनएसयूआई के अध्यक्ष रह चुके हैं और उन्होंने स्टूडेंट फ्रंट पीयू की स्थापना की थी, जिसने 2016 में पंजाब यूनिवर्सिटी छात्र परिषद की सभी चार सीटों पर जीत हासिल की



थी।

इन प्रमुख चेहरों के साथ, ऑल इंडिया ह्यूमन राइट्स काउंसिल के 25 से ज्यादा पदाधिकारियों ने भी बीजेपी की विचारधारा को अपनाया, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष, आरटीआई विंग के चेयरमैन, किसान विंग के अध्यक्ष और एनआरआई विंग के चेयरमैन शामिल थे। मोगा के आप के संस्थापक सदस्य और इंटेलेक्चुअल विंग के प्रभारी मनदीप सिंह गिल, मोगा जिला एससी-बीसी विंग के अध्यक्ष मनप्रीत सिंह रिंकू, और पंजाब एससी-बीसी विंग के संयुक्त सचिव सुखदीप सिंह धामी जैसे नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए हैं। इस व्यापक सदस्यता अभियान से बीजेपी ने पंजाब में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

'कुछ लोगों की जगह कोई नहीं ले सकता' : जेनसन के मुरीद हुए डोनाल्ड ट्रंप, जमकर की तारीफ

शेनझेन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के लिए जासूसी के विवाद में घिरे एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसन हुआंग का समर्थन किया है। एक इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को अपने प्रतिभाशाली लोगों का ख्याल रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं। राष्ट्रपति का यह समर्थन ऐसे समय में आया है, जब एनवीडिया का बोर्ड हुआंग की कंपनी में वापसी की संभावनाओं को खारिज कर चुका है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रंप ने चीनी कारोबारी महिला एलिस हुआंग को 'खूबसूरत महिला' बताया और कहा कि वह जासूस नहीं, बल्कि चिप खरीदने वाली एक कारोबारी हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत को लेकर ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच बातचीत का मुख्य विषय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) था। जेनसन के मुद्दे पर ट्रंप ने कहा, 'हमने इस बारे में चर्चा नहीं की। हो सकता है मैंने इसका जिक्र बहुत संक्षेप में किया हो, क्योंकि यह बहुत बड़ी त्रासदी है। यह एक त्रासदी है। वह बेहद प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं। हमें अपनी प्रतिभाओं का ख्याल रखना चाहिए। ऐसे लोग बहुत ज्यादा नहीं हैं।

ट्रंप-पुतिन का भव्य स्वागत, जापानी पीएम को ठंडा रिस्पॉन्स! एपेक में चीन का कूटनीतिक संदेश

बीजिंग , एजेंसी। चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया है। बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पहुंचे। इनका भव्य स्वागत किया गया वहीं जापान की पीएम सनाए ताकाइची के प्रति रिस्पॉन्स बेहद ठंडा दिखा। ग्लोबल मीडिया में ये चर्चा का विषय है। चीन के इस कूटनीतिक व्यवहार को जापान के साथ ताइवान को लेकर जारी तनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। एपेक सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे विभिन्न देशों के नेताओं का सैन्य बैंड, फूलों के गुलदस्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वागत किया तो जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची को अपेक्षाकृत कम तवज्जो मिली। द गार्जियन की रिपोर्ट में इसका जिक्र किया गया है। ताकाइची जब शेनझेन बाओआन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं तो उनके स्वागत के लिए चीन की पूर्व राजदूत झांग कियुए मौजूद थीं। उनके साथ सीमित संख्या में गार्ड ऑफ ऑनर के जवान थे। इसके विपरीत, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत करने के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग खुद हवाई अड्डे पहुंचे। ट्रंप के स्वागत में सैन्य सम्मान, बच्चों और बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी भी रही। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का स्वागत शी जिनपिंग के करीबी वरिष्ठ कम्युनिस्ट पार्टी नेता काई छी ने किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी भव्य स्वागत मिला। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, चीन और जापान के बीच मौजूदा तनाव की प्रमुख वजह ताइवान को लेकर ताकाइची का बयान है।

चीन: डोनाल्ड ट्रंप से मिले मार्क कार्नी, कनाडाई पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति ने व्यापार समझौते पर की चर्चा

शेनझेन, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। यह मुलाकात चीन के शेनझेन में एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन के इतर हुई। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते पर चर्चा की। कार्नी ने कहा कि वे काम जारी रखने पर सहमत हुए हैं। कार्नी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि उन्होंने शेनझेन में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बैठक में एक ऐसे व्यापार समझौते पर बात हुई। यह समझौता अच्छे रोजगार पैदा करेगा और सामर्थ्य को बढ़ावा देगा। साथ ही यह कनाडा की भाषाओं, संस्कृति और संप्रभुता का सम्मान करेगा। कार्नी ने यह भी बताया कि दोनों नेता संपर्क बनाए रखने पर सहमत हुए। उन्होंने बातचीत जारी रखने की बात कही। यह बैठक दोनों पड़ोसी देशों के बीच चल रहे व्यापार तनाव के बीच हुई। अक्तूबर 24 को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा पर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि कनाडा ने व्यापार असंतुलन के जरिये अमेरिका का वर्षों से फायदा उठाया है। ट्रंप ने दावा किया कि कनाडा अमेरिका की कीमत पर भारी लाभ कमा रहा है। उन्होंने कहा कि कनाडा वर्षों से अमेरिका से 90 अरब डॉलर प्रति वर्ष का लाभ कमा रहा है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वे एक ऐसे समझौते के करीब हैं जो अमेरिका के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करेगा।

वेनेजुएला और अमेरिका के बीच सैन्य समझौता: हेगसेथ बोले- प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी तक करेंगे साझा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका और वेनेजुएला ने अपने सैन्य संबंधों को दोबारा स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने मंगलवार को वेनेजुएला की राजधानी कराकस में इसकी जानकारी दी। समझौते के तहत दोनों देश सैन्य प्रशिक्षण से लेकर खुफिया जानकारी साझा करने तक सहयोग बढ़ाएंगे।

हेगसेथ ने कहा कि जनवरी में अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के बाद दोनों देशों के संबंधों में बदलाव आया है। उनके मुताबिक, वेनेजुएला अब अमेरिका के लिए क्षेत्रीय सुरक्षा खतरे के बजाय सहयोगी बन गया है।

उन्होंने कहा कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ करीबी सहयोग से वेनेजुएला को स्थिर करने और नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े आतंकी नेटवर्क को खत्म करने में मदद मिली है। हालांकि, पेंटागन ने नए सैन्य समझौते की शर्तों और उसके दायरे को लेकर तत्काल कोई अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

अंतरिम राष्ट्रपति ने भी सैन्य सहयोग का किया समर्थन : वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने भी दोनों देशों के बीच सैन्य साझेदारी मजबूत करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि वह चाहती हैं कि तकनीकी और सैन्य सहयोग को उच्चतम स्तर तक ले



जाया जाए, ताकि साझा खतरों से निपटा जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन जनवरी में मादुरो को सत्ता से हटाए जाने के बाद से वेनेजुएला में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। हेगसेथ इस साल वेनेजुएला का दौरा करने वाले ट्रंप प्रशासन के मंत्रिमंडल के नवीनतम सदस्य हैं। इससे पहले गृह और ऊर्जा मंत्री भी वहां जा चुके हैं। इन दौरों का मुख्य उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडार और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों तक अमेरिकी पहुंच बढ़ाना रहा है। ट्रंप ने अगस्त में कहा था कि हेगसेथ ने अमेरिका को वेनेजुएला के कुछ तेल भंडारों का नियंत्रण दिलाने वाले व्यापक समझौते में अहम भूमिका निभाई थी।

अमेरिकी सैन्य कमांडर भी कर चुके हैं बैठक : अमेरिकी दक्षिणी कमान के प्रमुख जनरल फ्रांसिस डोनोवन भी इस साल वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों से कम से कम दो बार मुलाकात कर चुके हैं। ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिकी सेना ने पश्चिमी गोलार्ध में अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। ट्रंप ने लैटिन अमेरिकी ड्रग कार्टेल के खिलाफ कार्रवाई को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और ड्रग ओवरडोज से होने वाली मौतों पर लगाम लगाने के लिए अमेरिकी सेना कैरेबियन सागर और पूर्वी प्रशांत महासागर में संदिग्ध तस्करी वाली नौकाओं को निशाना बना रही है। सितंबर 2025 से शुरू हुई इन कार्रवाइयों में कम से कम 240 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से इन नौकाओं में नशीले पदार्थ होने के दावों के समर्थन में बहुत कम सबूत जारी किए हैं।

वेनेजुएला में नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता : हेगसेथ का दौरा ऐसे समय हुआ है, जब वेनेजुएला में आने वाले महीनों और वर्षों में देश का नेतृत्व कौन करेगा, इसे लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद उनकी सहयोगी डेल्सी रोड्रिगेज ने अंतरिम राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाली थी। उनका अदालत से मिली अनुमति के तहत कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो गया था, लेकिन इसके बावजूद वह देश की प्रमुख बनी हुई हैं। विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो भी निर्वासन के बाद हाल ही में वेनेजुएला लौट आई हैं। विपक्षी कार्यकर्ताओं का दावा है कि इससे पहले उनकी वापसी की सात कोशिशें सरकार ने नाकाम कर दी थीं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि मचाडो की सुरक्षित वापसी अमेरिका के समर्थन से हुई सुलह वार्ता का नतीजा थी। उन्होंने इसे पिछले तीन दशकों में वेनेजुएला में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव तथा स्थायी लोकतंत्र की दिशा में सबसे अच्छा अवसर बताया।

तेल समझौते को लेकर ट्रंप प्रशासन का दावा : वेनेजुएला में अगले राष्ट्रपति चुनाव की तारीख घोषित नहीं होने से लोगों के बीच ट्रंप प्रशासन को लेकर मिली-जुली प्रतिक्रिया है। मादुरो के सत्ता से हटने पर कई लोग राहत महसूस कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि व्हाइट हाउस ने लोकतांत्रिक सुधारों के बजाय तेल उद्योग को फिर से शुरू करने को प्राथमिकता देकर देश में वास्तविक बदलाव की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि रोड्रिगेज सरकार के साथ हुए ऊर्जा समझौते के तहत वेनेजुएला के तेल की बिक्री से मिली 12 अरब डॉलर से अधिक की रकम, यानी करीब 99 प्रतिशत राजस्व, वापस वेनेजुएला को दिया जा चुका है। यह जानकारी इसी महीने जारी एक रिपोर्ट में दी गई है।

अंटार्कटिका में इंसानी गतिविधियों से दुर्लभ सूक्ष्मजीवों को खतरा, नए Study में खुलासा

हैमिल्टन , एजेंसी। जंगलों और प्राकृतिक क्षेत्रों में घूमने जाने वाले लोगों को आमतौर पर सलाह दी जाती है कि वे वहां केवल अपने पैरों के निशान छोड़कर आएं। हालांकि, एक नए अध्ययन में सामने आया है कि अंटार्कटिका में पैरों के निशान भी दुर्लभ पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उनमें ऐसे बदलाव ला सकते हैं, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। अंटार्कटिका में दुनिया के कुछ सबसे दुर्लभ और महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र मौजूद हैं। इनमें मैकमुर्डो ड्राई वैलीज की विशाल बर्फ-मुक्त भूमि की स्थायी रूप से जमी मिट्टी भी शामिल है। यह पृथ्वी के सबसे शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में से एक है। कठोर जलवायु परिस्थितियों के बावजूद यहां बर्फ से जमी मिट्टी की परतों में विशिष्ट सूक्ष्मजीव समुदाय और नेमेटोड, टार्डिग्रेड तथा रोटिफर जैसे छोटे अकशेरुकी जीव पाए जाते हैं। ये जीव रेत के कणों के आसपास मौजूद पानी की बेहद पतली परतों में जीवित रहते हैं। अंटार्कटिका के पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया जाता है।

इसके तहत वहां जाने से पहले जूतों और अन्य उपकरणों की व्यापक जांच, सफाई और संक्रमणमुक्त करने के नियम लागू हैं। हालांकि, इन नियमों का मुख्य उद्देश्य बाहरी आक्रामक प्रजातियों को अंटार्कटिका में पहुंचने और फैलने से रोकना है। नए अध्ययन में इस बात की जांच की गई कि क्या इंसान अनजाने में स्थानीय सूक्ष्मजीवों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाकर वहां के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं। स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव का खतरा अंटार्कटिका में अन्य महाद्वीपों की तुलना में बाहरी प्रजातियों की संख्या कम है, लेकिन वहां जैविक आक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। 60 डिग्री दक्षिण अक्षांश के दक्षिण में मिट्टी में रहने वाले स्प्रिंगटेल और माइट जैसे छोटे अकशेरुकी जीवों सहित कम से कम एक दर्जन गैर-स्थानीय प्रजातियां दर्ज की गई हैं।

इनमें कई पौधों की प्रजातियां भी शामिल हैं। ये मुख्य रूप से अनुसंधान केंद्रों और अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों के आसपास पाई गई हैं। वैज्ञानिक अभियानों, रसद गतिविधियों और पर्यटन सहित मानवीय गतिविधियां बाहरी प्रजातियों के प्रसार का प्रमुख माध्यम हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने से इन प्रजातियों के अंटार्कटिका में जीवित रहने और फैलने की संभावना भी बढ़ सकती है। फिलहाल, इससे भी बड़ा खतरा अंटार्कटिका के भीतर ही स्थानीय प्रजातियों के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में पहुंचने का है। इसमें पहले से वहां मौजूद और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल विकसित प्रजातियां अपने प्राकृतिक क्षेत्र से बाहर फैल सकती हैं। इस तरह के प्रसार के लिए सूक्ष्मजीव सबसे संभावित उम्मीदवार हैं। ये पारिस्थितिकी तंत्र में प्राथमिक उत्पादक और पोषक तत्वों के चक्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अंटार्कटिका की मिट्टी की अत्यधिक प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण दुनिया भर में पाई जाने वाली सामान्य बैक्टीरिया प्रजातियों को भी विशेष रूप से अनुकूलन करना पड़ता है।

अमेरिका: व्हाइट हाउस के अफसरों से मिले हिंदू नेता, हिंदूफोबिया-मंदिरों की सुरक्षा पर उठाई आवाज; रखीं मांगें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में हिंदू समुदाय के नेताओं ने सोशल मीडिया पर हिंदू विरोधी बयानबाजी और देशभर में हिंदूफोबिया से जुड़ी घटनाओं को लेकर चिंता जताई है। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने बुधवार को व्हाइट हाउस के अधिकारियों के साथ बैठक में ये मुद्दे उठाए। इस दौरान उन्होंने अमेरिका में मंदिरों की सुरक्षा बढ़ाने और अलग-अलग धर्मों के बीच संवाद मजबूत करने की मांग भी की। बैठक में सरकार की नीतियों में हिंदू अमेरिकी समुदाय की भागीदारी बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। यह बैठक वॉशिंगटन में हिंदू सामुदायिक केंद्र और मंदिर 'केशवम' में आयोजित की गई। इसमें व्हाइट हाउस की फेथ डायरेक्टर जेनिफर कोर्न के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शामिल हुआ। उनके साथ अमेरिकी विदेश मंत्रालय की वरिष्ठ सलाहकार और फेथ लाइजन बेलसिस रोमेरो भी मौजूद थीं। बैठक में हिंदू स्वयंसेवक संघ-यूएसए, सेवा इंटरनेशनल, बीएपीएस, हिंदू युवा, इस्कॉन, चिन्मय मिशन, आर्ट ऑफ लिविंग, ईशा फाउंडेशन, विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका और श्रीमद राजचंद्र मिशन समेत कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान हिंदू अमेरिकी प्रतिनिधियों ने अमेरिका में समुदाय के योगदान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हिंदू संगठन आपदा राहत कार्यों, ध्यान और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रमों के साथ-साथ सेवा दिवाली जैसे अभियानों के जरिए समाज की मदद कर रहे हैं। सेवा दिवाली के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए खाद्य सामग्री जुटाई जाती है। इसके साथ ही प्रतिनिधियों ने सोशल मीडिया पर बढ़ती हिंदू विरोधी टिप्पणियों और अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में सामने आ रही हिंदूफोबिया की घटनाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने अधिकारियों से मंदिरों की सुरक्षा बेहतर करने के लिए जरूरी कदम तलाशने का आग्रह किया। हिंदू अमेरिकी नेताओं ने अंतरधार्मिक संवाद को बढ़ावा देने और अलग-अलग समुदायों के बीच विश्वास और समझ विकसित करने पर भी जोर दिया। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी संघीय नीतियों से जुड़ी चर्चाओं में हिंदू समुदाय के विचारों को शामिल करने और सरकारी स्तर पर उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की जरूरत बताई।

'हमें किसी की जरूरत नहीं': ईरान से जंग में चीन-रूस की मदद लेने से ट्रंप का इनकार, कहा- समझौता चाहता है तेहरान

शेन्जेन, चीन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से जुड़े मौजूदा संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की संभावना को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि तेहरान, वाशिंगटन के साथ समझौता करना चाहता है। साथ ही दावा किया कि अमेरिकी सैन्य अभियानों ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को काफी कमजोर कर दिया है। फॉक्स न्यूज के साथ एक साक्षात्कार में, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका ने ईरान की नौसेना, वायु सेना और एंटी-एयरक्राफ्ट प्रणालियों को हरा दिया है। साथ ही यह भी कहा कि उस देश की मिसाइल क्षमताओं में काफी कमी आई है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वे इस संघर्ष को खत्म करने के लिए चीन और रूस से मदद लेने की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'देखिए, हमें किसी मदद की जरूरत नहीं है। हमने



उनकी नौसेना को हरा दिया है। उनकी वायु सेना को हरा दिया है। उनके एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम को भी हरा दिया है। उनके पास अब लगभग 12 मिसाइलें ही बची हैं। उनके पास कुछ मिसाइलें तो हैं, लेकिन वे पहले की तुलना में घटकर लगभग 12-13% रह गई हैं, और अब वे एक समझौता करना चाहते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे मदद की जरूरत नहीं है। मेरा मतलब है कि मैं मदद मांगने नहीं जा रहा हूं।' ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वाशिंगटन ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण कर लिया है। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इस जलमार्ग से जितना तेल गुजरा, उतना इसके इतिहास में पहले कभी नहीं गुजरा था। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल ही में हुए चुनावों के बाद वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में गिरावट आई है। उन्होंने कहा, 'चुनाव के अगले ही दिन तेल की कीमतें तेजी से नीचे गिर गईं।' वाशिंगटन डीसी में ईरान द्वारा 'डर्टी बम' के इस्तेमाल के खतरे की संभावना पर, ट्रंप ने कहा कि ऐसे संकेत हैं कि परमाणु हथियार बनाने से रोके जाने के बाद, तेहरान अब रासायनिक और जैविक हथियारों की क्षमता हासिल करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ऐसे संकेत हैं कि ईरान गैस और जैविक हथियारों पर विचार कर रहा है, क्योंकि हमने परमाणु हथियारों के मामले में उनके रास्ते बंद कर दिए हैं। परमाणु हथियार बनाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। इसलिए वे गैस और जैविक हथियारों की ओर देख रहे हैं।' जब उनसे पूछा गया कि क्या वाशिंगटन डीसी के लोगों को ईरान के संभावित हमले को लेकर चिंतित होना चाहिए, तो ट्रंप ने कहा कि घबराने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा नहीं लगता। देखिए, अगर ऐसा होता है, तो हम उनका नामोनिशान मिटा देंगे। ट्रंप ने इस टकराव में अमेरिका के रुख का बचाव करते हुए कहा कि इन दुश्मनी की जड़ें 51 साल पुरानी घटनाओं में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले आठ महीनों में ईरानी अधिकारियों ने 75,000 प्रदर्शनकारियों को मार डाला है, और तेहरान पर प्रदर्शनों को दबाने के लिए घातक बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। राजनयिक मोर्चे पर, ट्रंप ने पुष्टि की कि वाशिंगटन तेहरान के संपर्क में है।

दुनिया में 2035 तक मुस्लिमों की संख्या होगी सबसे ज्यादा, इस्लाम होगा सबसे बड़ा धर्म

वाशिंगटन, डीसी , एजेंसी। प्यू रिसर्च सेंटर ने रिपोर्ट जारी की है जिसके अनुसार, 2035 तक इस्लाम दुनिया के सबसे बड़े धर्म के रूप में ईसाई धर्म को पीछे छोड़ सकता है। रिसर्च रिपोर्ट में कहा गया है कि इस्लाम और ईसाई धर्म दोनों ही बढ़ रहे हैं, लेकिन इस्लाम कहीं अधिक तेजी से बढ़ रहा है। इसका एक मुख्य कारण यह है कि अन्य प्रमुख धार्मिक समूहों की तुलना में मुसलमानों के बच्चों की संख्या अधिक होती है। प्यू के वरिष्ठ जनसांख्यिकी विशेषज्ञ कॉनराड हैकेट ने बताया कि धर्म परिवर्तन या धार्मिक पहचान बदलने के अन्य तरीकों की तुलना में, प्रजनन दर (फर्टिलिटी रेट) कहीं अधिक बड़ा कारक है।

पाकिस्तान में हो जाएंगे सबसे ज्यादा मुस्लिम : प्यू के अनुसार, 2020-2025 के दौरान मुसलमानों



में प्रजनन दर प्रति महिला 3.1 बच्चे थी, जबकि ईसाइयों में यह दर 2.5 थी। अन्य सभी समूहों की महिलाओं के लिए औसत प्रजनन दर 1.6 थी, जो 2.1 के उस स्तर से कम है जिसे किसी भी पीढ़ी के खुद को बनाए रखने (रिप्लेस करने) के लिए आवश्यक माना जाता है। प्यू के अनुसार, अगर मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक पाकिस्तान में सबसे अधिक मुस्लिम आबादी होगी। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का नंबर आएगा - जबकि अभी इंडोनेशिया में सबसे अधिक मुस्लिम रहते हैं। प्यू के नवीनतम अनुमानों के अनुसार, 2020 में दुनिया भर में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुसलमान थे। प्यू के नए अनुमानों के मुताबिक, 2035 तक मुसलमानों की संख्या 2.57 अरब और ईसाइयों की संख्या 2.52 अरब हो जाएगी। यदि मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2070 तक दुनिया भर में मुसलमानों की संख्या 3.6 अरब से अधिक हो जाएगी, जबकि ईसाइयों की संख्या 3 अरब से थोड़ी कम होगी। इन अनुमानों में धार्मिक समूहों की आयु संरचना, प्रजनन दर, धर्म परिवर्तन और प्रवास (माइग्रेशन) के मौजूदा रुझानों को ध्यान में रखा गया है। प्यू का अनुमान है कि अगले 40 वर्षों के भीतर, संयुक्त राज्य अमेरिका में ईसाइयों का बहुमत नहीं रहेगा। प्यू के अनुसार, अभी अमेरिका की 62% आबादी ईसाई है, और 2065 तक यह आंकड़ा 50% से नीचे आ जाएगा। प्यू ने बताया कि पड़ोसी देश कनाडा में भी 2030 तक ईसाइयों की आबादी 50% से कम होने का अनुमान है। दोनों ही देशों में इस गिरावट का एक बड़ा कारण उन लोगों की संख्या में बढ़ोतरी है, जो किसी भी धर्म से नहीं जुड़े हैं।

बांग्लादेश में अवामी लीग के 'लॉकडाउन' के बीच भीषण हिंसा!



ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में बृहस्पतिवार तड़के कई जगहों पर बम धमाके हुए, जबकि चटगांव में पूर्व की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को आग लगा दी गई। यह अशांति पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पार्टी अवामी लीग की ओर से बृहस्पतिवार को देशव्यापी ''लॉकडाउन के आह्वान के बाद हुई। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली भंग की जा चुकी पार्टी 'अवामी लीग' द्वारा बृहस्पतिवार को देशव्यापी 'लॉकडाउन' के आह्वान के बाद पूरे देश में हिंसक झड़पें, बम धमाके और आगजनी की घटनाएं हुई हैं। राजधानी ढाका में तड़के कई स्थानों पर बम विस्फोट हुए, जबकि चटगांव में पूर्व अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के पैतृक घर को उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। इस व्यापक हिंसा में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों घायल हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस के अनुसार, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद बृहस्पतिवार सुबह ढाका के कई इलाकों में बम विस्फोट, तोड़फोड़ और आगजनी की गई, जिसमें कम से कम चार लोग घायल हो गए। दूसरी ओर, चटगांव के पांचलाइश इलाके में अज्ञात उपद्रवियों ने नोबेल पुरस्कार विजेता और पूर्व मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के पैतृक आवास में आग लगा दी। इससे पहले देश के विभिन्न हिस्सों में यूनुस द्वारा स्थापित 'ग्रामीण बैंक' की कई शाखाओं को भी निशाना बनाकर आग लगाई गई थी। बीते दो दिनों में देश के 64 प्रशासनिक जिलों में से 28 जिलों में बम धमाके और वाहनों को फूंकने की खबरें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बुधवार रात ढाका में प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं- जिन्हें प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़ा माना जा रहा है- ने अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला कर आग लगा दी। इससे पहले बांग्लादेश के अलग-अलग हिस्सों में स्थित ग्रामीण बैंक की कई शाखाओं को भी आग के हवाले कर दिया गया था। अखबारों की खबरों के अनुसार, बुधवार रात प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने ढाका में अवामी लीग के दो नेताओं के घरों पर हमला किया या उन्हें आग लगा दी। माना जा रहा है कि ये कार्यकर्ता प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) से जुड़े थे।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा: हकीम जेफ्रीज बन सकते हैं पहले अश्वेत स्पीकर, डेमोक्रेट्स ने लगाई नाम पर मुहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने हकीम जेफ्रीज को नए कांग्रेस सत्र के लिए अपना नेता चुन लिया है। इसके साथ ही उनके अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पहले अश्वेत स्पीकर बनने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। जनवरी में नए कांग्रेस सत्र की शुरुआत पर सदन में होने वाला औपचारिक मतदान इस पद पर उनकी नियुक्ति का अंतिम चरण होगा। मध्यावधि चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के करीब दो सप्ताह बाद पार्टी ने जेफ्रीज के नाम पर मुहर लगाई। हालांकि, पार्टी के कुछ नवनिर्वाचित प्रगतिशील सांसदों ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध किया था। वे समर्थन के बदले नीतिगत मुद्दों पर ठोस आश्वासन चाहते थे।

गोपनीय मतदान में 11 सांसदों ने किया विरोध : मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पार्टी के गोपनीय मतदान में केवल 11 डेमोक्रेटिक सांसदों ने जेफ्रीज के खिलाफ वोट दिया। इससे जनवरी में उनके स्पीकर चुने जाने की संभावना मजबूत हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, विरोध करने वाले सांसद भी सदन में अंतिम मतदान के दौरान उनका समर्थन कर सकते हैं।

नामांकन मिलने के बाद पत्रकारों से बातचीत में जेफ्रीज ने कहा कि अमेरिकी जनता बड़े और बुनियादी बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति स्वीकार्य नहीं है और डेमोक्रेटिक



पार्टी लोगों की अपेक्षाओं के मुताबिक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रगतिशील सांसदों ने रखीं नीतिगत शर्तें : जेफ्रीज का विरोध करने वाले सात नवनिर्वाचित प्रगतिशील डेमोक्रेटिक सांसदों ने कहा कि वे मेडिकेयर फॉर ऑल यानी सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा योजना पर मतदान कराने और गाजा में कथित नरसंहार खत्म करने जैसे मुद्दों पर प्रतिबद्धता चाहते हैं। इन सांसदों में न्यूयॉर्क की डारियालिजा एविला शेवेलियर, न्यू जर्सी के एडम हमावी, टेक्सास के फ्रेडरिक हेन्स, कोलोराडो की मेलाट किरोस, मिशिगन के डोनावन मैकिनी और पेंसिल्वेनिया के क्रिस रैब के साथ न्यूयॉर्क की क्लेयर वाल्डेज शामिल हैं। डेमोक्रेटिक सांसद डॉन लियोनार्ड ने भी जेफ्रीज के नामांकन के खिलाफ वोट दिया। उन्होंने कहा कि वह चुनावी चंदे से जुड़े नियमों में सुधार और इजराइल को अमेरिकी सहायता रोकने के मुद्दे पर मतदान कराने का आश्वासन चाहते हैं। लियोनार्ड के मुताबिक, जब तक इन मुद्दों पर स्पष्ट प्रतिबद्धता नहीं मिलती, तब तक उनका समर्थन नहीं होगा। जेफ्रीज ने पार्टी के भीतर विरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि डेमोक्रेट्स का काम मैगा कट्टरपंथ का मुकाबला करना है, न कि आपस में लड़ना।

कई गुटों से जेफ्रीज ने की बातचीत : नामांकन से पहले जेफ्रीज ने उन नवनिर्वाचित सांसदों से आमने-सामने बातचीत की, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से उनके समर्थन का ऐलान नहीं किया था। इनमें से कई सांसद डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट्स ऑफ अमेरिका से जुड़े थे। उन्होंने पार्टी के अलग-अलग गुटों से भी संपर्क किया। इनमें सेंटरिस्ट सांसद, न्यू डेमोक्रेट कोएलिशन, ब्लू डॉग कॉकस और कांग्रेसनल प्रोग्रेसिव कॉकस शामिल हैं। जेफ्रीज को वरिष्ठ सांसद जिम क्लाइबर्न का भी मजबूत समर्थन मिला। क्लाइबर्न कांग्रेसनल ब्लैक कॉकस के वरिष्ठ सदस्यों में शामिल हैं। उन्होंने पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि हकीम सुर्खियों के बजाय ठोस प्रगति में रुचि रखते हैं। जेफ्रीज ने शुक्रवार को सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा व्यवस्

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

45 मिनट में 5 वारदात, 24 घंटे में दो पुलिस फायरिंग! सूरत में सीरियल लुटेरों पर पुलिस का शिकंजा

दो अलग-अलग ह्राफ एनकाउंटर में दोनों आरोपी गिरफ्तार, पहले आरोपी ने पुलिसकर्मी पर चाकू से किया था हमला, दूसरे ने PSI की रिवॉल्वर छीनने की कोशिश की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत। सूरत शहर में 19 नवंबर की सुबह महज 45 मिनट के भीतर वराछा, महिधरपुरा और कतारगाम थाना क्षेत्रों में लूट और चाकूबाजी की पांच वारदातों को अंजाम देकर दहशत फैलाने वाले दो आरोपियों को सूरत पुलिस ने 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग पुलिस फायरिंग की घटनाओं में गिरफ्तार कर लिया। दोनों मामलों में पुलिस ने आत्मरक्षा में आरोपियों के पैरों पर गोली चलाई। पहली घटना में लिंबायत पुलिस पर चाकू से हमला करने वाले आरोपी परवेज अंसारी को पकड़ा गया, जबकि दूसरी घटना में क्राइम ब्रांच की हिरासत से भागने और PSI की रिवॉल्वर छीनने का प्रयास करने वाले लक्ष्मण कुमार उर्फ गुड्डू यादव को गोली मारकर काबू किया गया।

पहली मुठभेड़: पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला, परवेज के पैर में मारी गोली

लिंबायत पुलिस की टीम रात करीब 3 बजे इंस्पेक्टर डी.डी. चौहान के नेतृत्व में नाइट पेट्रोलिंग कर रही थी। इसी दौरान नीलगिरी ग्राउंड के पास एक संदिग्ध युवक पुलिस की गाड़ी देखकर भागने लगा। पुलिसकर्मी अनिल कुमार अमरसिंह ने उसका पीछा कर उसे पकड़ने का प्रयास किया। तभी आरोपी ने कमर में छिपाया हुआ चाकू निकालकर पुलिसकर्मी के पेट/कमर के हिस्से में हमला कर दिया।

स्थिति गंभीर होते देख PI डी.डी. चौहान ने आरोपी को चाकू फेंकने की चेतावनी दी और पहले हवा में एक राउंड फायर किया। इसके बावजूद आरोपी चाकू लेकर पुलिस अधिकारी पर हमला करने के लिए आगे बढ़ा। ऐसे में पुलिस ने आत्मरक्षा में उसके बाएं पैर पर गोली चला दी। घायल आरोपी को पकड़कर नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि घायल पुलिसकर्मी अनिल कुमार का उपचार लिंबायत स्थित अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस की प्राथमिक पूछताछ में आरोपी की पहचान मूल रूप से झारखंड निवासी और वर्तमान में लिंबायत के ममता टॉकीज के पास रहने वाले परवेज मुशर्रफ अंसारी के रूप में हुई।

दूसरी मुठभेड़: PSI की रिवॉल्वर छीनने की कोशिश, लक्ष्मण के पैर में लगी गोली

पहले आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके साथी लक्ष्मण कुमार उर्फ गुड्डू यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच की टीम आरोपी को मेडिकल जांच के लिए नई सिविल अस्पताल ले जा रही थी। इसी दौरान स्वामीनारायण मंदिर के आसपास पुलिस वाहन के अगले टायर में हवा कम होने के कारण गाड़ी रोकनी पड़ी।

ड्राइवर और दो पुलिसकर्मी टायर की जांच के लिए नीचे उतरे, जबकि PSI और आरोपी गाड़ी में बैठे थे। पुलिस के अनुसार, आरोपी को हथकड़ी नहीं लगाई गई थी। इसी मौके का फायदा उठाकर उसने बगल में बैठे PSI की रिवॉल्वर छीनने और उन पर हमला करने का प्रयास किया। आरोपी के भागने और पुलिस पर हमला करने की कोशिश के दौरान पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें उसके दाहिने पैर के निचले हिस्से में गोली लगी।

घायल आरोपी को उपचार के लिए नई सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। क्राइम ब्रांच के DCP भावेश रोजिया ने बताया कि आरोपी को मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय यह घटना हुई। वहीं सिविल अस्पताल के CMO मुकेश बलदाणिया के अनुसार, गोली लगने से घायल लक्ष्मण उर्फ गुड्डू दिलीप उर्फ इंद्र यादव को अस्पताल लाया गया है। फिलहाल पुलिसकर्मी के घायल होने की जानकारी नहीं मिली है। विस्तृत जानकारी मेडिकल रिपोर्ट के बाद सामने आएगी।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने वराछा, कतारगाम और महिधरपुरा क्षेत्रों में राहगीरों को निशाना बनाकर लूट की वारदातें की थीं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटे गए छह मोबाइल फोन सहित करीब 66 हजार रुपये का माल बरामद किया है।

9 साल के लीज एग्रीमेंट में छेड़छाड़ कर 15 साल का फर्जी दस्तावेज बनाने का आरोप

सचिन पुलिस ने एक ही परिवार के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया कोर्ट के आदेश पर लाजपोर जेल भेजा गया

'मास्टरमाइंड इंग्लिश स्कूल' के नाम पर ट्रस्ट के लेटरहेड का भी कथित दुरुपयोग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत। सूरत के सचिन पुलिस थाना क्षेत्र में फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी कार्यालयों में इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने एक ही परिवार के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि आरोपियों ने संपत्ति के 9 साल के लीज एग्रीमेंट में कथित तौर पर छेड़छाड़ कर उसे 15 साल का दर्शाया और इस दस्तावेज का सरकारी कार्यालयों में उपयोग किया।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, शिकायतकर्ता गुरविंदर सिंह जसपाल सिंह की माता ने वर्ष 2007 में कंसार गांव में एक अचल संपत्ति खरीदी थी। वर्ष 2022 में यह संपत्ति आरोपी प्रांजल कुमार अशोक कुमार को 9 साल के लीज एग्रीमेंट पर किराये से दी गई थी।

कुछ समय बाद शिकायतकर्ता पक्ष ने इस संपत्ति को किसी अन्य व्यक्ति को बेचने का निर्णय लिया और आरोपियों से संपत्ति खाली करने को कहा। लेकिन आरोपियों ने संपत्ति खाली करने से इनकार कर दिया। आरोपियों का दावा था कि उन्होंने यह संपत्ति शिकायतकर्ता पक्ष से खरीद ली है और इसके बदले पैसे भी दिए हैं। साथ ही इस संपत्ति में 'मास्टरमाइंड इंग्लिश स्कूल' संचालित होने की बात कही गई।

इस मामले में शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से आरोपियों को कानूनी नोटिस भी भेजा गया। इसके बाद स्कूल की अनुमति और संबंधित दस्तावेजों की जानकारी हासिल करने के लिए शिकायतकर्ता ने RTI के माध्यम से जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) कार्यालय और चैरिटी कमिश्नर कार्यालय से जानकारी मांगी।

RTI से प्राप्त जानकारी के आधार पर आरोप लगाया गया कि मूल 9 साल के लीज एग्रीमेंट में बदलाव कर उसे 15 साल का दर्शाने वाला फर्जी दस्तावेज तैयार किया गया और सरकारी कार्यालयों में प्रस्तुत कर उसका इस्तेमाल किया गया। इसके अलावा 'मास्टरमाइंड इंग्लिश स्कूल' से जुड़े ट्रस्ट के लेटरहेड का भी कथित तौर पर गलत इस्तेमाल किया गया। आरोप है कि तीनों आरोपी ट्रस्ट के अध्यक्ष या ट्रस्टी नहीं होने के बावजूद ट्रस्ट के लेटरहेड का उपयोग कर रहे थे।

शिकायत के अनुसार, तीनों आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से आपराधिक साजिश रचकर संपत्ति के संबंध में फर्जी दस्तावेज तैयार किए और उन्हें असली बताकर सरकारी कार्यालयों में पेश किया।

इस मामले में सचिन पुलिस ने जांच के दौरान एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर प्रांजल कुमार अशोक कुमार, रिद्धि नरेश सोनी और नरेश टी. सोनी को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। फिलहाल तीनों आरोपी लाजपोर जेल में बंद हैं।

फ्रोजन डेजर्ट को लेकर विधायक कुमार कानाणी ने उठाए सवाल

एनालॉग पनीर की तरह फ्रोजन डेजर्ट भी स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होने का दावा, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को लिखा पत्र

उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा असली आइसक्रीम और फ्रोजन डेजर्ट के बीच अंतर को लेकर शुरू किए गए जनजागरूकता अभियान का सूरत के वराछा रोड से विधायक किशोर कानाणी (कुमार) ने स्वागत किया है। हालांकि, इस अभियान की सराहना करने के साथ ही उन्होंने 20 नवंबर 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं।

विधायक कानाणी का कहना है कि बाजार में पामोलिन और अन्य वनस्पति तेलों से तैयार होने वाला फ्रोजन डेजर्ट लोगों की सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक हो सकता है। उन्होंने इसे एनालॉग पनीर की तरह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताते हुए इसके उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग उठाई है।

कानाणी ने अपने पत्र में सवाल उठाया कि यदि सरकार कथित नकली एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठा सकती है, तो उसी तरह फ्रोजन डेजर्ट के उत्पादन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जा रहा? उनका कहना है कि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे उत्पादों की बिक्री को अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग के नए नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विधायक ने कई सवाल भी रखे हैं। उन्होंने पूछा कि पैकिंग वाले उत्पादों पर तो फ्रोजन डेजर्ट लिखा जाएगा, लेकिन खुले में बिकने वाले फ्रोजन डेजर्ट और शादी-विवाह जैसे आयोजनों में परोसे जाने वाले उत्पादों की पहचान और जांच कैसे होगी? इसके अलावा, जिन दुकानों और आइसक्रीम पार्लरों में असली आइसक्रीम और फ्रोजन डेजर्ट दोनों बेचे जाते हैं, वहां पार्लर के नाम और उत्पादों की पहचान को लेकर क्या नियम लागू होंगे, इस पर भी उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से स्पष्टता मांगी है।

विधायक किशोर कानाणी ने मांग की है कि केवल जागरूकता अभियान चलाने के बजाय फ्रोजन डेजर्ट के उत्पादन, बिक्री और वितरण को लेकर भी सरकार स्पष्ट नीति बनाए, ताकि आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सूरत RTO की नई पहल

नौकरी और व्यवसाय के चलते व्यस्त रहने वाले आवेदकों को मिलेगी राहत, छुट्टी के दिनों में भी चालू रहेगा टेस्ट ट्रैक

अब सरकारी छुट्टी के दिन भी दे सकेंगे ड्राइविंग टेस्ट

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए ड्राइविंग टेस्ट देने वाले आवेदकों के लिए राहत भरी खबर है। सूरत प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (RTO) ने नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब सार्वजनिक अवकाश के दिनों में भी सूरत ऋ्ञह्र का ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक चालू रहेगा।

इस पहल से खासकर नौकरी, व्यवसाय और अन्य व्यस्तताओं के कारण सामान्य कार्यदिवसों में ड्राइविंग टेस्ट के लिए समय नहीं निकाल पाने वाले आवेदकों को बड़ी राहत मिलेगी। छुट्टी के दिनों में भी टेस्ट की सुविधा उपलब्ध होने से आवेदकों को अतिरिक्त अवसर मिलेंगे और RTO में टेस्ट की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हो सकेगी।

सूरत RTO की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि इस सुविधा का लाभ लेने के लिए निर्धारित ऑनलाइन प्रक्रिया के अनुसार ही ड्राइविंग टेस्ट की अपॉइंटमेंट बुक करें।

सूरतियों में VIP नंबरों का जबरदस्त क्रेज RTO को हुई 76 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत। सूरत RTO में फोर व्हीलर वाहनों के लिए शुरू हुई नई 'WA' सीरीज के पसंदीदा नंबरों की ऑनलाइन नीलामी में वाहन मालिकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। अपनी लग्जरी कारों के लिए मनपसंद और आकर्षक नंबर हासिल करने के लिए सूरतियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। इस ऑनलाइन नीलामी से ऋ्ञह्र को करीब 76 लाख रुपये से अधिक की आय हुई है।

इस नीलामी में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र 'GJ-05-WA-0999' नंबर रहा। इस नंबर को हासिल करने के लिए अंतिम समय तक कड़ी बोली लगी। आखिरकार एक वाहन मालिक ने अपनी लग्जरी BMW कार के लिए 10,32,000 रुपये की सबसे ऊंची बोली लगाकर यह नंबर अपने नाम कर लिया।

इसके अलावा 'GJ05WA1-111' नंबर के लिए 6.59 लाख रुपये और 'GJ05WA0001' नंबर के लिए 5.12 लाख रुपये की बोली लगी।

आंकड़ों के अनुसार, नई 'WA' सीरीज की ऑनलाइन नीलामी में कुल 434 वाहन मालिकों ने हिस्सा लिया और अपने पसंदीदा नंबर हासिल किए। हैरानी की बात यह है कि केवल टॉप-10 महंगे नंबरों की नीलामी से ही RTO को 32.21 लाख रुपये की आय हुई, जो कुल अनुमानित आय का करीब 42.38 प्रतिशत है।

BMW कार के लिए 10.32 लाख रुपये में खरीदा '0999' नंबर, '1111' के लिए लगी 6.59 लाख की बोली

टॉप-10 पसंदीदा नंबरों में '7777' के लिए 2.19 लाख रुपये, '0007' के लिए 2.11 लाख रुपये, '0009' के लिए 1.51 लाख रुपये और '0123' नंबर के लिए 1.31 लाख रुपये की बोली दर्ज की गई।

इस संबंध में सूरत RTO अधिकारी एच.एम. पटेल ने बताया कि सूरत के वाहन मालिकों में पसंदीदा और वीआईपी नंबरों को लेकर हमेशा से खास उत्साह रहा है। इसी वजह से इस बार ऑनलाइन नीलामी में भी नंबरों के लिए ऊंची बोलियां लगीं। इस सीरीज में BMW और Jaguar जैसी लग्जरी कारों के मालिकों ने भी ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिए मोटी रकम चुकाकर अपनी पसंद के नंबर हासिल किए।

मेरे खाटूवाले का जन्मदिन आया है...भजनों पर झूमे श्याम भक्त

सुबह मंगला आरती से ही लगी भक्तों की लंबी कतारें, देर रात तक उमड़े श्रद्धालु

श्याम मंदिर में धूमधाम से मनाया गया बाबा श्याम का जन्मोत्सव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत। वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर सूरतधाम में शुक्रवार को देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर बाबा श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बाबा के जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को खिलौनों, चॉकलेट और रंग-बिरंगी रोशनी से आकर्षक ढंग से सजाया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार ड्राई फ्रूट्स की आकर्षक मालाओं से किया गया। सुबह मंगला आरती के साथ ही बाबा के दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं, जो देर रात तक लगातार जारी रहीं। शहर की विभिन्न संस्थाओं, सोसायटियों और श्रद्धालुओं ने बाबा श्याम को निशान अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

जन्मोत्सव के अवसर पर बाबा को मिल्क केक का भोग लगाया गया। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा। भक्तों ने भजन-कीर्तन करते हुए नाच-गाकर अपने आराध्य बाबा श्याम का जन्मदिन मनाया। श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर ट्रस्ट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सरावगी, सचिव शिवप्रसाद पोद्दार, उपाध्यक्ष राजकिशोर शाह, कोषाध्यक्ष विनय बेरीवाला, सहसचिव योगेश जाखलिया, शेखर गौरीसरिया, सहकोषाध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक), अशोक चौकड़िका, संगठन मंत्री पूरणमल अग्रवाल सहित कार्यकारिणी के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बाबा श्याम के जन्मोत्सव पर लाखों श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। वहीं, आयोजन की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए ट्रस्ट की ओर से 200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सेवाएं दीं।

गुजरात में दोपहिया से ट्रक तक जातिसूचक शब्दों और प्रतीकों पर प्रतिबंध

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में अब निजी वाहनों पर जाति या समुदाय की पहचान दर्शाने वाले शब्द, प्रतीक और अन्य लिखावट प्रदर्शित नहीं की जा सकेगी। राज्य सरकार ने दोपहिया, तिपहिया, कार, बस और ट्रक सहित निजी वाहनों पर जाति आधारित पहचान प्रदर्शित करने पर नियंत्रण लगाने के लिए मोटर वाहन नियमों में संशोधन किया है। बंदरगाह एवं परिवहन विभाग ने 'गुजरात मोटर वाहन (तीसरा संशोधन) नियम, 2026' जारी किए हैं।

इस संबंध में बंदरगाह एवं परिवहन विभाग ने 17 नवंबर 2026 को गुजरात मोटर वाहन नियमों में संशोधन करते हुए अधिसूचना जारी की है। इस संशोधन के तहत निजी वाहनों पर जातिसूचक चिह्न प्रदर्शित करने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नियमों का उल्लंघन करने पर मोटर वाहन अधिनियम-1988 की धारा 190 के तहत कार्रवाई और 1,000 रुपये के जुर्माने का प्रावधान लागू होगा।

11 जून को मसौदा जारी किया था, 17 नवंबर को अंतिम अधिसूचना

राज्य सरकार ने इस संशोधन का मसौदा 11 जून 2026 को जारी किया था और इस पर 30 दिनों के भीतर आपत्तियां एवं सुझाव मांगे गए थे। हालांकि, आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने के संबंध में कहीं भी सार्वजनिक रूप से घोषणा नहीं की गई थी। इसलिए अधिसूचना में उल्लेख किया गया कि सरकार को कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ।